RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, सोमवार ●06 मई , 2024 वर्षः-12 अंक-8 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

पाकिस्तान की औकात नहीं कि हमारे चुनाव में दखल दे सके

- बोले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह,कांग्रेस से संबंधों पर राहुल को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पाकिस्तान के साथ कांग्रेस के संबंधों का आरोप लगाते हुए खूब भड़के हैं। उनसे जब पूर्व पाकिस्तानी मंत्री के बयान को लेकर पूछा गया कि क्या पाकिस्तान भारत के चुनाव को प्रभावित कर रहा है। इसके जवाब में राजनाथ ने तल्ख अंदाज में कहा कि पाकिस्तान की इतनी औकात नहीं है कि वह भारत के चुनाव में दखल दे सके। इसके अलावा उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर आग

से खेलने का भी आरोप लगाया। राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान के पूर्व मंत्री चौधरी फवाद हुसैन का राहुल गांधी की तारीफ करना बड़ी चिंता का विषय है और कांग्रेस को अपने नेता के प्रति ऐसे देश के अगाध प्रेम पर स्पष्टीकरण देना चाहिए जो हमेशा भारत को अस्थिर करने का प्रयास करता है। राजनाथ सिंह ने एक इंटरव्यू में पाकिस्तान से कांग्रेस के संबंध पर भी सवाल उठाया। कहा-वह भारत को अस्थिर करने का प्रयास करता रहा है।

संजय राउत ने पहले मेरे पीछे जासूस लगाए, अब धमका रहे

- मुंबई के पात्रा चॉल मनी लॉन्ड्रिंग केस में बोलीं स्वप्ना पाटकर

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के पात्रा चॉल घोटाले में मुख्य गवाह स्वप्ना पाटकर ने शिवसेना नेता संजय राउत पर धमकाने का आरोप लगाया है। उन्होंने विधान परिषद की उपाध्यक्ष को लिखे पत्र में आरोप लगाया है कि वे उनके परिवार को परेशान कर रहे हैं। पाटकर ने यह भी बताया कि पहले राउत ने उनके पीछे जासूस लगाए अब उन्हें परेशान कर रहे हैं। 1034 करोड़ के इस घोटाले की जांच ईडी कर रही है। स्वप्ना पाटकर मुंबई के पात्रा चॉल मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुख्य गवाह हैं। उनका आरोप है कि संजय राउत ने उन्हें और उनके परिवार को धमकी दी है।

कनाडा सिर्फ आरोप ही लगाता है, सबूत नहीं देता

- निज्जर मर्डर केस में एस जयशंकर ने खूब सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर कनाडा लगातार भारत पर आरोप लगाता रहा है। हाल ही में तीन आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद फिर ऐसे बयान तेज

हो गए हैं। इस बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि कनाडा कभी भी कोई सबूत नहीं देता है बल्कि अपने यहां होने वाले अपराधों के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराता है। उन्होंने कहा, मैंने अभी आने से पहले देखा कि तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वे स्पष्ट रूप से किसी प्रकार की गिरोह पृष्ठभूमि वाले भारतीय हैं। हम पुलिस द्वारा हमें उनके बारे में और अधिक जानकारी देने का इंतजार करेंगे।

शहडोल में अवैध रेत से भरी ट्रॉली को रोकने की कोशिश की तो ड्राइवर ने रौंदा

एएसआई को कुचला, ट्रैक्टर मालिक के घर चला बुलडोजर

भोपाल। शहडोल में रेत का अवैध परिवहन कर रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली ने एएसआई को कुचल दिया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मामला ब्यौहारी थाना इलाके में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 12 बजे का है। रविवार दोपहर को पुलिस और प्रशासन ने ट्रैक्टर मालिक के अवैध मकान पर बुलडोजर चलाकर गिरा दिया। ब्यौहारी थाने में पदस्थ एएसआई महेंद्र बागरी एक आपराधिक मामले में फरार स्थायी वारंटी को पकड़ने बड़ौली गांव गए थे। एएसआई गया प्रसाद कन्नौजे और आरक्षक संजय दुबे उनके साथ थे। इसी दौरान खढौली गांव के पास सामने से ट्रैक्टर-ट्रॉली आती दिखी। बागरी ने

उसे रोकने का इशारा किया लेकिन ड्राइवर उन्हें कुचलता हुआ ट्रैक्टर-ट्रॉली को आगे बढ़ा ले गया। एडीजीपी डीसी सागर ने बताया कि बागरी के साथ गए पुलिसकर्मियों ने अधिकारियों को मामले की जानकारी दी। जमोड़ी गांव के रहने वाले ट्रैक्टर ड्राइवर राज रावत उर्फ विजय और उसके साथी आशुतोष को रात में ही गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं, ट्रैक्टर मालिक सुरेंद्र सिंह की तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं। उस पर 30 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। सुरेंद्र अगस्त में रेत चोरी के आरोप में गिरफ्तार हो चुका है। एसपी कुमार प्रतीक ने बताया कि ट्रैक्टर चालक राज समधिन नदी से रेत भरकर ला रहा था। एएसआई को कुचलने के बाद वह ट्रैक्टर से कूद गया। इसके बाद ट्रैक्टर बेकाबू होकर पुल से नीचे जा गिरा। दूसरा गिरफ्तार आरोपी आशुतोष, सुरेंद्र सिंह का बेटा है। जो अपनी देखरेख में रेत चोरी करा रहा था। उन्होंने कहा कि सुरेंद्र और आशुतोष को जिला बदर किया जाएगा। पोस्टमार्टम के बाद जब शव को ब्यौहारी अस्पताल से घर ले जाया जा रहा था, उस दौरान बागरी की पत्नी दुर्गावती पति की एक झलक देखने के लिए कह रही थीं। वे कभी एंबुलेंस के कांच को खटखटातीं तो कभी ड्राइवर के सामने हाथ जोड़कर कहतीं कि एक बार दरवाजा खोल दो।

सध गया 'जाति' संतुलन, यूपी में फायदे में भाजपा

अलग-अलग लड़ रही सपा-बसपा ने और आसान की राह

लखनऊ (एजेंसी)। केंद्र में सरकार बनाने के लिए लिए हर दल के लिए सबसे अहम राज्य उत्तर प्रदेश ही है। यहां लोकसभा की कुल 80 सीटें हैं। इसलिए सभी दल यूपी के समीकरण को दुरुस्त करके ही मैदान में उतरना चाहती है। यही वजह है कि एक-दूसरे की अक्सर खिलाफत करने वाली कांग्रेस और सपा ने अंतिम मौके पर गठबंधन किया। बीजेपी की बात करें तो लोकसभा चुनावों में बड़ा लक्ष्य लेकर चल रही है। भगवा पार्टी ने देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में अभी तक की सबसे बड़ी जीत की तैयारी कर रखी है। पार्टी ने उम्मीदवार तय करने में सभी

सामाजिक व राजनीतिक समीकरणों को साधा है और मजबूत गठबंधन भी तैयार किया है। राज्य की 80 सीटों में भाजपा खुद 75 सीटों पर पांच सीटों पर सहयोगी रालोद (तीन) व अपना दल (दो) सीटों पर चुनाव लड़ रहा है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश के अपने सभी उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। भाजपा ने सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए 34 सीटों पर ही सामान्य वर्ग के उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि ओबीसी समुदाय से 25 व अनुसूचित जाति से 16 उम्मीदवार है। इनमें भी जातीय समीकरणों को ध्यान में रखा गया है। पार्टी ने राजपूत व ब्राह्मण वर्ग से बराबर बराबर 13-13 उम्मीदवार उतारे हैं।

गुजरात में वोटिंग से पहले बीजेपी को मिली बड़ी राहत

- क्षत्रिय आंदोलन के बीच स्वामीनारायण ने दिया समर्थन

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में क्षत्रिय समाज के आंदोलन और बॉयकॉट के ऐलानों के बीच बड़ी राहत मिली है। राज्य में पाटीदार समुदाय की तरह प्रभावशाली स्वामी नारायण संप्रदाय ने बीजेपी को समर्थन दिया है। अहमदाबाद में स्थित संप्रदाय के पहले स्वामीनारायण मंदिर कालूपुर की

तरफ से एक बयान जारी करके सामाजिक-राजनीतिक मतभेदों या मनभेदों को दूर रखकर पीएम नरेंद्र मोदी को समर्थन देने का ऐलान किया गया है। इसमें कहा गया है कि सात मई को बीजेपी के पक्ष में भारी संख्या में मतदान करें। स्वामीनारायण संप्रदाय का गुजरात में व्यापक प्रभाव है। क्षत्रियों की नाराजगी के समय यह बड़ा समर्थन है।

एमपी की 9 लोकसभा सीट पर थम गया चुनावी शोर

1.68 करोड़ को बांटी मतदाता पर्ची, आज रवाना होंगे मतदान दल

भोपाल। मध्य प्रदेश की 9 लोकसभा सीट मुरैना, भिंड, ग्वालियर, गुना, सागर, राजगढ़, विदिशा, भोपाल, बैतूल पर सात मई को होने वाले मतदान के चलते इन क्षेत्रों में रविवार शाम 6 बजे से चुनावी शोर थम गया। सोमवार सुबह इन क्षेत्रों में 20456 मतदान केंद्रों पर मतदान कराने के लिए मतदान दल रवाना किए जाएंगे। मतदान के मद्देनजर जिलों में कलेक्टरों की टीम हीट वेव से लोगों को बचाने और अधिक से अधिक मतदान कराने की तैयारी में जुटी है। लोकसभा के तीसरे चरण के लिए मतदान मंगलवार को होना है। इन मतदान केंद्रों

में चुनावी व्यवस्था का काम पूरा कर लिया गया है और मतदान दलों के गठन के साथ मतदान केंद्रों में मतदान की तैयारी भी कर ली गई है। इसी तारतम्य में सबसे अधिक फोकस अधिक से अधिक वोटिंग कराने पर है क्योंकि पहले दो चरण में वोटिंग का प्रतिशत काफी खराब रहा है। इसके बाद वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी चलें बूथ की ओर अभियान चला रहे हैं और जिलों में मतदाता जागरुकता के लिए होने वाले कार्यक्रमों में उनके दफ्तर में पदस्थ अफसरों को भी भेजा जा रहा है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि 9 लोकसभा सीटों पर कुल एक करोड़ 77 लाख 52 हजार 583 मतदाता हैं।

वंदे-भारत को अफोर्ड नहीं कर पा रहे विंध्य के लोग

- डिप्टी सीएम के सामने कहा-रेवांचल में जमीन पर बैठकर जाते हैं लोग,वंदे भारत का किराया ज्यादा

भोपाल। भोपाल नगर निगम के भाजपा पार्षद आरके सिंह बघेल ने मंच पर कहा- रेवांचल एक्सप्रेस में काफी भीड रहती है। ट्रेन में नीचे फर्श पर बैठकर जाना पड़ता है। एक और ट्रेन चली वंदे भारत...उसकी टाइमिंग ठीक नहीं है और किराया भी ज्यादा है। सब लोग उसको अफोर्ड नहीं कर पा रहे हैं। बहुत लंबे समय से रीवा के लिए रेवांचल एक्सप्रेस के समानांतर नई रेल चलाने की जरूरत है। मेरा अनुरोध है कि जैसे ही चुनाव की आचार संहिता हटे तो रेवांचल जैसी ट्रेन चलवाई जाए। ताकि भोपाल में जो विंध्य क्षेत्र के लोग रहते हैं उन्हें आने-जाने में सुविधा हो। पार्षद आरके सिंह ने डिप्टी सीएम शुक्ला से कहा कई बार भोपाल में रहने वाले वाले विंध्य क्षेत्र के किसी व्यक्ति की दुखद मृत्यु हो जाती है तो पार्थिव देह घर तक ले जाने में 24-25 हजार रुपए एम्बुलेंस में खर्च हो जाते हैं।

घाटी में वायुसेना के काफिले पर आतंकी हमला

एक जवान शहीद, पांच घायल, सेना ने डाला घेरा

पुंछ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में शनिवार को आतंकवादियों ने भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के एक वाहन सहित सुरक्षाबलों के काफिले पर गोलीबारी की। इस हमले में एक जवान शहीद हो गया और पांच घायल है। अधिकारियों के मुताबिक, यह हमला शाम को शशिधर के पास हुआ जब सुरक्षाबलों के वाहन जिले के सुरनकोट इलाके में सनाई टॉप की ओर बढ़ रहे थे। घायलों में 2 की हालत गंभीर बताई जा रही है, उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि सेना और पुलिस के अतिरिक्त जवानों को इलाके में भेजा गया है और आतंकवादियों का पता लगाने तथा उन्हें मार गिराने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी और घेराबंदी अभियान शुरू किया गया है। सूत्रों ने कहा कि बंदूकधारी आतंकवादियों ने सरकारी स्कूल के पास एमईएस और आईएएफ वाहन

पर गोलीबारी की, जिसके बाद सुरक्षा बलों को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। अनंतनाग-राजौरी-पुंछ लोकसभा क्षेत्र में गोलीबारी हुई है, जहां चुनाव आयोग द्वारा मतदान पुनर्निर्धारित किया गया है। अब 25 मई को मतदान होगा। अनंतनाग में वाहन के खाई में गिरने से सेना के एक जवान की मौत, आठ घायल जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में शनिवार को एक वाहन के सड़क से फिसलकर खाई में गिर जाने से उसमें सवार सेना के एक जवान की मौत हो गई जबकि आठ अन्य जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक यह हादसा दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के वेरिनाग इलाके में हुआ। इस हादसे में सेना के नौ जवान घायल हो गए जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि नौ घायलों में से एक जवान की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया जिसके कारण वाहन सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गया।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर बीएसएफ जवान ने की सुसाइड

- ड्यूटी के दौरान पेड़ से लटक कर दे दी अपनी जान,जांच शुरू

जैसलमेर (एजेंसी)। जैसलमेर में भारत-पाकिस्तान सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल के एक जवान ने रविवार को सुसाइड कर ली। जैसलमेर से 140 किलोमीटर दूर भारत-पाक सीमा पर स्थित बबलियान वाला पोस्ट के परिसर में एक पेड़ से फंदा लगाकर जवान ने जान दे दी है। सूचना पर बीएसएफ के अधिकारी और तनोट थाना

पुलिस मौके पर पहुंचे और जांच में जुट गए। दरअसल भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर बबलीयानवाला पोस्ट पर तैनात बीएसएफ जवान मुकंदा डेका (57) ने रविवार को सोसाइड कर ली। मृतक जवान मुकंदा डेका दोरांग, आसाम का निवासी था। और बीएसएफ में बबलियान पोस्ट पर कॉन्स्टेबल के पद पर तैनात था।

गर्मी संकट

सुनसान हुए रास्ते, 'लू' ने किया घरों में कैद

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में गर्मी का असर लगातार बना हुआ है। मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ समेत देश के 7 राज्यों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। इनमें पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना शामिल हैं। मध्य प्रदेश और राजस्थान के कुछ इलाकों

- 7 राज्यों में हीटवेव का अलर्ट,एमपी-यूपी में तापमान 42 डिग्री
- तेलंगाना, ओडिशा व कर्नाटक में टेम्परेचर 45 डिग्री तक पहुंचा

में दो दिन बाद लू का असर देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के मुताबिक, शनिवार को मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र में तापमान 42 डिग्री के करीब रिकॉर्ड किया गया। वहीं, तेलंगाना, ओडिशा और कर्नाटक में टेम्परेचर 45 डिग्री तक पहुंचा। आंध्र प्रदेश के नांदयाल में 46 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। देश में कई शहरों में बीते कुछ दिनों से हीटवेव की

स्थिति बनी हुई है। इस बार हीटवेव के दिन भी अधिक हैं। एक रिसर्च में दावा किया गया है कि लगातार हीटवेव बनी रहने से जान का खतरा बढ़ जाता है। स्वीडन के इंस्टीट्यूट ऑफ एनवायरनमेंटल मेडिसिन, नई दिल्ली के सेंटर फॉर क्रॉनिक डिसीज कंट्रोल, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च की रिसर्च के मुताबिक, हीटवेव लगातार 2 दिन से अधिक समय तक बनी रहती है।

नासा ने दिखाई सौरमंडल के ग्रहों की शानदार तस्वीरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने सोशल मीडिया पर हमारे सौरमंडल के ग्रहों की नई तस्वीरें पोस्ट की है। शनि, मंगल और पृथ्वी के अलावा पेरिडिया ग्रह की भी तस्वीरें हैं। नासा

- हर कोई हो रहा हैरान,असली-नकली में खा जाएंगे धोखा

ने अपनी पोस्ट में बताया कि पेरिडिया ग्रह हमारे सौर मंडल के ग्रह शनि की तरह काफी हद तक दिखता है। दोनों ग्रह में काफी समानताएं हैं। हालांकि नासा की सोशल मीडिया पोस्ट पर लोगों की तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कई लोग नासा की इन तस्वीरों को असली मानने से इनकार कर रहे हैं। कई लोगों का कहना है कि नासा ये तस्वीरें फोटोशॉप

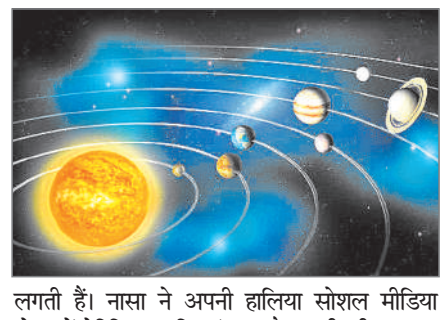

लगती हैं। नासा ने अपनी हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में पेरिडिया, शनि, मंगल और पृथ्वी की शानदार तस्वीरें डाली हैं। नासा द्वारा पोस्ट की गई ये तस्वीरें बेहद शानदार और भव्य नजर आ रही हैं। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में, नासा ने लिखा कि हमारा सौर मंडल बहुत समय पहले यहीं एक आकाशगंगा में बना था।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, सोमवार 06 मई , 2024

लोकसभा निर्वाचन की सम्पूर्ण तैयारियां पूर्ण, प्रेक्षक अवगत हुए

प्रेक्षकों ने व्हीसी के माध्यम से मतदान पूर्व की एसओपी पर संवाद किया

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले की पांचो विधानसभाओं के अंतर्गत लोकसभा निर्वाचन की मतदान तिथि सात मई के 72 घंटे पूर्व निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशो के अनुपालन हेतु एसओपी की तैयारियों संबंधी समीक्षा दोनो संसदीय क्षेत्र सागर एवं विदिशा-रायसेन के सामान्य प्रेक्षक, व्यय प्रेक्षक और पुलिस प्रेक्षकों के द्वारा वीडियो कांफेंसिंग के माध्यम से की गई है ।कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से दोनो संसदीय क्षेत्र के प्रेक्षकों को विदिशा जिले की पांचो विधानसभाओं में लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर किए गए प्रबंधो व पूर्व तैयारियों की बिन्दुवार जानकारी से अवगत कराया। जिसमें मतदानकर्मियों के लिए वेलफेयर, मतदान केन्द्र पर मतदानकर्मियों के लिए भोजन एवं आवास, नॉन फोर्स सीवील मेजर के तहत क्रिटिकल मतदान केन्द्र, माइक्रोआब्जर्वर, वेबकास्टिंग, वीडियोग्राफी व सीसीटीव्ही के संबंध में किए गए प्रबंधो की जानकारी दी है। कलेक्टर श्री वैद्य ने बेवकास्टिंग, कानून व्यवस्था, निर्वाचन व्यय निगरानी, मतदाता जागरूकता के अलावा मतदान दिवस के पूर्व आखरी 48 घंटे के संबंध में विभिन्न अधिनियमों के तहत किए जाने वाले कार्यो के अलावा मीडिया मेटर्स, इलेक्शन मीडिया मॉनिटरिंग सेन्टर, अंर्तविभागीय समन्वय के अलावा मतदान के एक दिन पहले किए जाने वाले प्रबंधो, पोलिंग स्टेशन व्यवस्था, मतदान केन्द्र के अलावा ईव्हीएम संचालन, सेक्टर आफीसरो के दायित्व, आदर्श आचरणसंहिता का अनुपालन, मतदान दिवस को कहीं अव्यवस्था ना हो इसके लिए कानून प्रावधानो के तहत किए गए प्रबंध तथा मतदान समाप्ति के उपरांत निर्वाचन सामग्री की वापसी, स्ट्रांगरूम में संधारण इत्यादि के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी है। पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला ने लोकसभा निर्वाचन के दौरान सम्पूर्ण कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर स्तर पर किए गए प्रबंधो, कार्यवाही की जानकारी देते हुए मतदान के पूर्व, मतदान दिवस और मतदान के पश्चात सुरक्षा के दृष्टिकोण से क्रियान्वित बिन्दुओं से अवगत कराया है। उन्होंने क्रिटिकल एवं बल्नरेबल मतदान केन्द्रो, पुलिस कंट्रोल रूम, एसएसटी, एफएसटी के कार्यो के संबंध में भी तथा अब तक निरीक्षण के दौरान जप्त की गई सामग्रियों, आदर्श आचरण संहिता के अनुपालन में की गई कार्यवाही सहित अन्य बिन्दुओं पर गहन प्रकाश डालते हुए अवगत कराया है। कलेक्टेऊट के बेतवा सभागार कक्ष में आयोजित वीडियो कांफ्रेसिंग समीक्षात्मक बैठक में वन मण्डलाधिकारी श्री ओमकार सिंह मर्सकोले, अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मोहिनी शर्मा के अलावा विभिन्न प्रकोष्ठो के नोडल अधिकारी, संयुक्त कलेक्टर तथा सहायक रिटर्निंग आफीसर समेत अन्य विभागो के अधिकारी मौजूद रहें। वही खण्ड स्तरीय अधिकारियों से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से संवाद हुआ है।

जिले में चलाया जा रहा चलें बूथ की ओर'' अभियान अभियान के तहत आयोजित की जा रही हैं अनेक मतदाता जागरूकता गतिविधियां

सीहोर (निप्र)। लोकसभा चुनाव मैं अधिक से अधिक मतदान के लिए कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह के निर्देश पर जिले के सभी मतदान केन्द्रों में चलें बूथ की ओर'' अभियान 01 मई से लगातार चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने जिले में चलें बूथ की ओर अभियान के लिए सभी संबंधित अधिकारियों एवं अन्य संस्थाओं को निर्देश दिये हैं कि पूरे जिले में मतदाता जागरूकता की गतिविधियों व्यापक स्तर पर आयोजित कि जायें और मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जाये ताकि आगामी 07 मई और 13 मई को जिले के मतदाताओं द्वारा सर्वाधिक मतदान किया जा सके। जिले के नगरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित की जाने वाली मतदाता जागरूकता गतिविधियों में मतदाता जागरूकता रैली , मानव श्रृंखला, रंगोली, मेंहदी, पोस्टर, बैनर, होडिग्स, कटआउट, पेंटिंग, दीवार लेखन, खेल, निबंध, बाद-विबाद के साथ ही घर-घर जाकर मतदाताओं को मतदाता पर्ची वितरित की जा रही है तथा मतदाताओं के घर के द्वार पर पीले चावल रखकर मतदान के लिए आंमत्रित किया जा रहा है। चलें बूथ की ओर अभियान के तहत जिले के सभी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में किसान संगोष्ठी आयोजित कर मतदाताओं को मतदान करने की शपथ दिलाई गई। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत अनेक स्थानों पर रैली निकालकर 100 प्रतिशत वोट डालने के लिए प्रेरित किया। इसी क्रम में नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम के तहत सभा राखी गयी जिसमें एनआरएलएम की दीदीयो ने शपथ लीं की मतदान हमारा अधिकार है हम सब मिलकर मतदान करेंगे और सभी को मतदान करवाएंगे और जिले को नंवर 01 बनायेगें।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर सिंह ने लोकसभा निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा की

हरदा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आदित्य सिंह ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में नोडल अधिकारियों की बैठक लेकर आगामी 6 मई को मतदान दलों के रवाना होने और 7 मई को मतदान से संबंधित तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रोहित सिसोनिया और अपर कलेक्टर डॉ. नागार्जुन बी. गोड़ा भी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री सिंह ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह को निर्देश दिए कि मतदान दलों को मेडिकल किट भी उपलब्ध कराएं। उन्होंने एन आई सी के जिला सूचना विज्ञान अधिकारी श्री शैलेश दुबे को रविवार को होने वाले थर्ड रेंडमाइजेशन के लिए सभी आवश्यक तैयारी करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि नेटवर्क विहीन क्षेत्र में रनर्स की नियुक्ति कर वायरलेस सेट के माध्यम से मतदान के दिन सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जाए। बैठक में बताया गया कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का परिवहन करने वाले 200 से अधिक वाहनों में जीपीएस सिस्टम लगाया जाएगा, ताकि उनकी ऑनलाइन लोकेशन की मॉनिटरिंग हो सके। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि मतदान दलों के लिए 6 और 7 मई को मतदान केंद्र में ही भोजन एवं रात्रि विश्राम की बेहतर व्यवस्था करें।

मतदाता जागरूकता के लिये खिरकिया में आयोजित हुई मैराथन दौड़

हरदा (निप्र)। आगामी 7 मई को लोकसभा निर्वाचन के लिए मतदान संपन्न होगा। इससे पूर्व नागरिकों को मतदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से हरदा जिले में प्रतिदिन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को खिरकिया में मैराथन दौड़ आयोजित की गई। यह मैराथन दौड़ अनुविभागीय अधिकारी राजस्व खिरकिया के नवीन भवन से प्रारंभ होकर कृषि मंडी परिसर में सम्पन्न हुई। मुख्य नगर पालिका अधिकारी खिरकिया ने इस दौरान उपस्थित नागरिकों को 7 मई को लोकसभा निर्वाचन के लिये मतदान की शपथ दिलाई।

पीले चावल व मतदाता पर्ची देकर किया मतदान के लिये आमंत्रित

हरदा (निप्र)। मतदाताओं को लोकसभा निर्वाचन के लिये मतदान करने हेतु प्रेरित करने के लिये जिले में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका व बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर पीले चावल देकर व मतदाता पर्ची देकर मतदाताओं को मतदान के लिये आमंत्रित किया जा रहा है। शनिवार को हरदा शहर के आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 5 व 7 की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने ढोल ढमाकों के साथ घर-घर जाकर पीले चावल देकर नागरिकों को 7 मई को होने वाले मतदान के लिये आमंत्रित किया। इसके अलावा ग्राम बारंगा, बेड़िया खुर्द, मांदला सहित अन्य ग्रामीणों क्षेत्रों में बीएलओ द्वारा मतदाता पर्ची का वितरण किया गया।

बैरागढ़ के दिव्यांग संजय राजपूत ने किया मतदान, और सभी से की मतदान की अपील

हरदा (निप्र)। विगत 6 फरवरी को हरदा जिले के बैरागढ़ में हुई विस्फोट की दुर्घटना से प्रभावित परिवार के सदस्य दिव्यांग श्री संजय सिंह राजपूत ने बुधवार को अपने घर पर मतदान दल की उपस्थिति में मतदान किया। इस अवसर पर उन्होंने वीडियो संदेश के माध्यम से अन्य मतदाताओं से भी मतदान की अपील की। श्री राजपूत ने इस अवसर पर कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने दिव्यांग मतदाताओं और 85 वर्ष से अधिक आयु के वृद्ध मतदाताओं की सुविधा के लिए घर से ही मतदान करने की जो सुविधा दी है वह सराहनीय है।

कलेक्टर दुबे ने मतदान केन्द्रों के संबंध में धारा 144 के तहत जारी किए निषेधात्मक आदेश

रायसेन (निप्र)। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 अंतर्गत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 18-विदिशा में शामिल रायसेन जिले के विधानसभा क्षेत्र 141-भोजपुर, 142-सांची तथा 143-सिलवानी में 07 मई 2024 को मतदान सम्पन्न होगा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री अरविंद दुबे द्वारा विधानसभा क्षेत्र भोजपुर, सांची तथा सिलवानी क्षेत्र अंतर्गत समस्त मतदान केन्द्रों पर शांति एवं कानून व्यवस्था तथा निष्पक्ष चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए धारा 144 दण्ड प्रक्रिया संहिता के तहत निषेधात्मक आदेश जारी किए गए हैं।

कलेक्टर श्री दुबे द्वारा जारी आदेश के तहत कोई भी व्यक्ति मतदान स्थलों के 200 मीटर की परिधि में (यदि आंशिक रूप से आता है) 05 या 05 से अधिक व्यक्तियों का समूह स्थानीय परिशांति भंग करने के उद्देश्य से, जनसमूह न तो एकत्रित करेगा और न क्षेत्र में जुलूस निकालेगा, न ही नारेबाजी करेगा और न ही ऐसा पर्चा आदि वितरित करेगा जिससे उत्तेजात्मक स्थिति उत्तपन्न हो जिससे निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया प्रभावित हो। मतदान कार्य में संलग्न अधिकारी/कर्मचारी तथा सुरक्षा व्यवस्था में संलग्न व्यक्तियों के अतिरिक्त कोई भी व्यक्ति मतदान स्थलों के 100 मीटर की परिधि में मोबाईल/कार्डलेस फोन का उपयोग नहीं करेगा। इसी प्रकार मतदान स्थलों के 100 मीटर की परिधि में किसी भी राजनैतिक दल की कोई भी सामग्री (बैनर/पोस्टर) का प्रदर्शन/प्रसारण तथा लाउड स्पीकर/मेगा, साउंड प्रतिबंधित रहेगा। चूँकि यह आदेश तत्कालिक रूप से पारित करने की आवश्यकता है और समय की कमी हैं। अतएव इन व्यक्तियों जिन पर आदेश लागू होगा को तत्काल सूचित करके, उन्हें सुनने का अवसर दिया जाना संभव नहीं हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से एक पक्षीय रूप से पारित किया जा रहा है, जो रायसेन जिले के विधानसभा क्षेत्र भोजपुर, सांची तथा सिलवानी के क्षेत्रान्तर्गत आने वाले समस्त मतदान केन्द्रों की 200 मीटर तक की सीमा में प्रभावी होगा। यह आदेश मतदान दिवस 07 मई 2024 को मतदान समाप्ति के 48 घण्टे पहले से अर्थात् 05 मई 2024 को सायं 06 बजे से मतदान समाप्ति के आगामी 24 घण्टे अर्थात 08 मई 2024 को सायं 06 बजे तक कुल 72 घण्टे तक लागू रहेगा। उक्त आदेश का उल्लंघन भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 के अन्तर्गत दण्डनीय होगा।

उपार्जन केन्द्रो पर संदेशो का सम्प्रेषण

विदिशा (निप्र)। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत जिले के उपार्जन केन्द्रो पर भी एक साथ कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। ग्राम खामखेडा के उपार्जन केन्द्र पर आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य शामिल हुए यहां उन्होंने किसानो को सम्बोधित करते हुए कहा कि मतदान जैसे महत्वपूर्ण कार्य में किसान मतदान प्रक्रिया से वंचित ना रह पाए इसके लिए सभी किसानबंधुओं को मतदान करने का न्यौता विभिन्न संसाधनो के माध्यम से दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विदिशा जिले में सर्वाधिक मतदान प्रतिशत दर्ज हो इसके लिए सभी वर्गो में मतदाता जागरूकता संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन कर संदेशो का सम्प्रेषण किया जा रहा है। मिशन 10 डेज की महती भूमिका को रेखांकित करते हुए कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि विदिशा जिले में वर्ग विशेष के द्वारा विशेष आव्हान कर लाखो मतदाताओं तक संदेश सम्प्रेषण करने की नई विधा क्रियान्वित की गई है जिसके तहत नारी शक्ति युवाओं को व्यापारियों को, मतदूरो को, आमजनों को, खिलाड़ियों के अलावा अन्य सामाजिक संगठनों के माध्यम से एक ही प्रकार की गतिविधियों का सम्पूर्ण विदिशा जिले में दिवसवार क्रियान्वयन किया गया है ताकि लाखो मतदाताओं को संदेश सम्प्रेषण में सुगमता हो सकें।जिला पंचायत सीईओ एवं स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉ योगेश भरसट ने मतदाता जागरूकता के लिए आयोजित कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसान भाईयों तक संदेश पहुंचाने के लिए उपार्जन केन्द्र भी महत्वपूर्ण कडी है।

इसलिए आज का दिन सम्पूर्ण जिले में किसानबंधुओं को मतदान के लिए अभिप्रेरित करने को समर्पित है। जिले के हरेक उपार्जन केन्द्र पर इस प्रकार का आयोजन किया जा रहा है ताकि किसान और उनके परिजन संदेशो से बाकिफ होकर स्वंय मतदान करें और अडौसी पडौसी को मतदान करने हेतु अभिप्रेरित करें। ग्राम खामखेडा के हरेकृष्ण वेयर हाउस में आयोजित उक्त कार्यक्रम का संचालन कॉ-आपरेटिव बैंक के सीईओ द्वारा किया गया था उन्होंने मतदाता जागरूकता शपथ का वाचन किया जिसे अन्य सभी ने दोहराया है। कार्यक्रम में जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रश्मि साहू, सहकारिता विभाग के उपायुक्त श्री पीएस बरोठिया के अलावा अन्य विभागो के अधिकारी व किसानबंधु मौजूद रहें।

निर्वाचन हेतु की गई तैयारियों की प्रेक्षक तथा जिला निर्वाचन अधिकारी ने की समीक्षा मतदान प्रक्रिया स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने दिशा-निर्देश दिए

रायसेन (निप्र)। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 के तृतीय चरण में संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 18-विदिशा में शामिल रायसेन जिले के विधानसभा क्षेत्र 141-भोजपुर, 142-सांची तथा 143-सिलवानी में 07 मई 2024 को मतदान सम्पन्न होगा। सामान्य प्रेक्षक श्री सूरज कुमार तथा व्यय प्रेक्षक श्री मेहुल भारत जैन की वर्चुअली उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक सह वीडियो कॉफ्रेंस में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री अरविंद दुबे द्वारा मतदान सामग्री वितरण तथा मतदान प्रक्रिया स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने हेतु की गई तैयारियों की समीक्षा की गई।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में एसपी श्री विकास शहवाल, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमलेश कुमार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मुकेश सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में वीसी के माध्यम से सहायक रिटर्निंग अधिकारी भी शामिल हुए। बैठक में सामान्य प्रेक्षक श्री सूरज कुमार ने कहा कि निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन अनुसार निर्वाचन प्रक्रिया सुचारू रूप से सम्पन्न कराने हेतु आदर्श अचार संहिता का पालन सुनिश्चित कराएं।

मतदान के 72 घण्टे, 48 घण्टे तथा 24 घण्टे पूर्व की जाने वाली कार्यवाहियां पूर्ण की जाएं। होटल, धर्मशाला आदि की जांच कर यह सुनिश्चित करें कि निर्वाचन क्षेत्र में कोई भी बाहरी व्यक्ति ना रूके, बाहर से आए हुए व्यक्ति निर्वाचन क्षेत्र की सीमा से बाहर चले जाएं। सभी पूरी सजगता और तत्परता से कार्य करें। कहीं से भी शिकायत या सूचना प्राप्त होने पर त्वरित कार्यवाही करें। कलेक्टर श्री दुबे ने निर्वाचन तैयारियों से विस्तार से अवगत कराया। साथ ही मतदान प्रतिशत बढ़ाने किए जा रहे प्रयासों तथा स्वीप गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। कलेक्टर श्री दुबे ने सहायक रिटर्निंग अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों को मतदान सामग्री वितरण के संबंध में दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि सामग्री का वितरण सुचारू रूप से हो। सेक्टर अधिकारी एवं पुलिस सेक्टर अधिकारी सतत् सम्पर्क में रहें।

मतदान दिवस के पूर्व तथा मतदान दिवस पर होने वाली कार्यवाहियों को गाइडलाइन अनुसार निर्धारित समयावधि में सम्पन्न कराएं। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी जगह मेडीकल किट उपलब्ध रहे। सेक्टर अधिकारियों के पास भी अधिक मात्रा में मेडीकल किट रहे। एसएसटी तथा एफएसटी टीम वाहनों की सूक्ष्मता से जांच करें। लिकर, सोना-चांदी, नगदी सहित अन्य सामग्री का परिवहन ना हो। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी पूरी सजगता से काम करें। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री विकास शहवाल द्वारा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

शत-प्रतिशत मतदान के लिए सभी सेक्टर आफिसर पूरी मेहनत और लगन के साथ काम करें : कलेक्टर सिंह

सीहोर (निप्र)। लोकसभा चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न कराने के लिए जिला पंचायत सभाकक्ष में जिले के चारों विधानसभाओं के सेक्टर अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण सिंह ने सभी अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कढ़ाई से पालन करने के निर्देश दिए।कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि सेक्टर अधिकारी अपने मतदान केंद्रों पर पिछले चुनाव के वोटिगं प्रतिशत को बढाएं। शत-प्रतिशत मतदान के लिए फील्ड के अमले का उपयोग करें। जो मतदाता वोट नही करते हैं, उन्हें फोन लगाकर या उनके घर जाकर मतदान करने की अपील करें। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि मतदान का प्रतिशत बढाना है और सभी मतदाताओं से वोट करवाना है। यदि कोई मतदान नही कर रहा है , तो उसका कारण जानें और मतदान के लिए उसे प्ररित करें। जिन बूथों पर पिछले चुनाव में मतदान कम हुआ था, वहां पर लगातार मतदाता जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

मतदाता जागरूकता के लिये वाहन रैली सम्पन्न

हरदा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत आगामी 7 मई को मतदान होगा। जिले के मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने के लिये कलेक्टर श्री आदित्य सिंह के निर्देशन में मतदाता जागरूकता गतिविधियां लगातार आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में शनिवार को जिला प्रशासन और लायंस क्लब हरदा के सहयोग से वाहन रैली आयोजित की गई। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी व स्वीप के नोडल अधिकारी श्री रोहित सिसोनिया ने बागवान होटल के सामने से वाहन रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री सिसोनिया ने लोकसभा निर्वाचन के लिये मतदान करने की शपथ दिलाई। यह वाहन रैली इंदौर रोड स्थित बागवान होटल से प्रारंभ होकर टॉक चौराहा, जेसानी चौराहा, घंटाघर, चांडक चौराहा, नारायण टॉकीज, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, हॉस्पिटल चौराहा छीपानेर बायपास, जिला पंचायत कार्यालय, खंडवा बाईपास से होते हुए बागवान होटल पर सम्पन्न हुई।

लाखो किसानो तक मतदान करने के संदेशो का एक साथ सम्प्रेषण

कलेक्टर ने ट्रेक्टर चलाकर किसानो व परिजनो को मतदान करने का आव्हान किया

विदिशा (निप्र)। मतदाता जागरूकता के तहत विदिशा जिले में विशेष गतिविधियों का संचालन मेगा ईवेंट 10 के तहत किया जा रहा है इसी कडी के तहत शनिवार को जिले के लाखो किसानो व उनके परिजनों तक मतदान करने के संदेशों का सम्प्रेषण करने की विधियों का अनुपालन कर मतदान करने का न्यौता दिया गया है।कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने स्वंय टेऊक्टर चलाकर किसानो को मतदान के प्रति जागरूक करते हुए मतदान करने का आव्हान किया है। इस प्रकार के आयोजन जिला मुख्यालय के साथ-साथ सभी तहसील व जिले के बडे कस्बो में एक साथ आयोजित किए गए है। विदिशा जिला मुख्यालय पर टेऊक्टर रैली का शुभांरभ नवीन कृषि उपज मंडी से शुरू होकर सागर पुलिया, बंटीनगर, खरीफाटक चैराहे से फ्लाईओवर होते हुए पुरानी कृषि उपज मंडी में सम्पन्न हुई है। जिला पंचायत सीईओ व स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉ योगेश भरसट भी अपने आपको रोक नहीं पाए। उन्होंने कलेक्टर से टेऊक्टर लेकर स्वंय रैली समापन स्थल तक टेऊक्टर चलाया और बाजू में कलेक्टर श्री वैद्य को बैठाया। सम्पूर्ण रास्ते में मतदाता जागरूकता पर आधारित स्लोगनो का उद्घोष हुआ वहीं हाथो में तख्तियां थी। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक ने बताया कि जिला मुख्यालय पर आयोजित टेऊक्टर रैली में 104 टेऊक्टर शामिल हुए। उक्त आयोजन के पीछे का मुख्य उद्धेश्य किसानबंधु मतदान जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया से वंचित ना हो पाए और वे मतदान पहले करें फिर किसानी काम करें का संदेश देना था ताकि मतदान तिथि सात मई को विदिशा जिला सर्वाधिक मतदान प्रतिशत से जाना जाए। उक्त आयोजन में एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा के अलावा विभिन्न विभागो के अधिकारी, कृषि उपज मंडी, कृषि विभाग समेत अन्य विभागो के अधिकारी, कर्मचारी व किसान स्वंय टेऊक्टर चलाकर शामिल हुए है।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

3

इंदौर, सोमवार 06 मई , 2024

इंदौर की नाबालिग लड़की ने उज्जैन में होटल की छत से लगाई छलांग, गुमशुदगी की रिपोर्ट हुई थी दर्ज

उज्जैन, एजेंसी। इंदौर से लापता हुई किशोरी पांच युवक के साथ रात में उज्जैन पहुंच गई थी। युवकों ने उसे रोता देख उसके परिजनों से संपर्क किया था। परिजनों ने उज्जैन पहुंचने की बात कहीं थी, लेकिन युवती ने आज सुबह होटल की तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। उज्जैन में आज सुबह कार्तिक चौक की होटल में ठहरी एक 17 वर्षीय छात्रा ने तीसरी मंजिल की खिड़की से समीप के पतरे वाले मकान पर छलांग लगा दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। तत्काल उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस की सूचना पर उसके परिजन उज्जैन पहुंचे तथा घायल हालत में उसे अपने साथ इंदौर ले गए। खाराकुआ थाने के उपनिरीक्षक लिवांस कुजूर ने बताया कि कार्तिक चौक की होटल में उक्त घटना आज सुबह की है। यहां के मणिभद्र गेस्ट हाऊस के रूम नंबर 401 में किशोरी कल रात 9 बजे आकर ठहरी थी। उसके साथ उत्तरप्रदेश सोनभद्र के 5 लोग भी थे, उन्होंने बताया कि लड़की उन्हें बस में बैठी मिली थी और वह रो रही थी। इस पर वे समझाकर अपने साथ ले आए और होटल में अपने साथ ठहरा लिया था। आज सुबह लड़की उठी और उसने फोन पर परिजनों से बात की और इसी दौरान वह बात करते हुए तीसरी मंजिल की खिड़की पर चढ़ी और समीप के पतरे वाले मकान में कूद गई। लड़की के छलांग लगाने के बाद जोर की आवाज सुनाई दी और भीड़ लग गई। तत्काल गेस्ट हाऊस का स्टॉप भी वहां पहुंच गया और घायल हालत में लड़की को अस्पताल लेकर आए।लड़की का हाथ जख्मी हो गया था और वह खून की उल्टियां करने लगी। इधर पुलिस की सूचना के बाद इंदौर से उसके परिवार के लोग भी उज्जैन पहुंच गए थे। उपनिरीक्षक कुजूर ने बताया कि इंदौर से उसकी माँ और अन्य रिश्तेदार आ गए और लड़की की मां के अनुसार कल उसकी सहेली के साथ एक लड़का उनके घर पर आया था, इस पर उसने माही को डांटा तो वह घर से निकल गई थी। सभी जगह तलाशने के बाद इंदौर के एमआईजी थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। लड़की की हालत को देखते हुए उसे इंदौर रेफर कर दिया गया है। इधर पुलिस ने इंदौर के जो 5 लोग उसे होटल ले गए थे, उन्हें हिरासत में ले लिया तथा पूछताछ कर रही है। उत्तरप्रदेश के सोनभद्र निवासी रूद्र पांडेय, सूरज पांडे, अंकित दुबे, अमन और चंद्रभानसिंह मिश्रा ने थाने पर पूछताछ में बताया कि वो पांचों लोग नर्मदा के पास खेड़ा खाल में पूजन करने के बाद उज्जैन पूजन करने आए थे और रास्ते में बस में लड़की रोती हुए मिली थी और अपने साथ ले आए थे।

अक्षय बम ने कहा- दबाव जैसी कोई बात नहीं, कांग्रेस नेता मेरा सपोर्ट नहीं कर रहे थे

इंदौर । बम ने कहा मेरा टिकट तय होने के बाद मैं जनसंपर्क के कार्यक्रम बनाता था, लेकिन कांग्रेस नेता टाल देते थे। प्रचार कार्यक्रम मैने कई बार बड़े पदाधिकारियों से मांगे, लेकिन कोई सपोर्ट नहीं मिला। इस बात से मैं आहत था और मैने इस बारे में पिता से बातचीत की। इंदौर लोकसभा सीट का नामांकन वापसी कांड पूरे देश में चर्चा का विषय है। पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन भी इससे नाराज है। कांग्रेस यह प्रचारित कर रही है कि बम हत्या के प्रयास की धारा बढ़ने और दूसरे केसों के कारण बने दबाव की वजह से भाजपा में गए, लेकिन बम इस मुद्दे पर रविवार को खुलकर बोले। उन्होंने कहा कि मैने किसी दबाव के कारण कांग्रेस नहीं छोड़ी, बल्कि कांग्रेस के नेता मेरा सपोर्ट नहीं कर रहे थे। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने मालवा निमाड़ के दूसरे लोकसभा क्षेत्रों में सभाएं की। वे दो घंटे तक इंदौर एयरपोर्ट पर बैठे रहे, लेकिन मेरे लिए इंदौर में कोई कार्यक्रम नहीं बनाया गया। मेरा टिकट तय होने के बाद मैं जनसंपर्क के कार्यक्रम बनाता था, लेकिन कांग्रेस नेता टाल देते थे। प्रचार कार्यक्रम मैंने कई बार बड़े पदाधिकारियों से मांगे, लेकिन कोई सपोर्ट नहीं मिला। इस बात से मैं आहत था और मैने इस बारे में पिता से बातचीत की। पिता के कैलाश विजयवर्गीय से 40 साल पुराने संबंध हैं।

विजयवर्गीय ने कहा बम बीजेपी में आना चाहते थे

विजयवर्गीय ने पत्रकारवार्ता में कहा कि बम अच्छा काम करना चाहते थे। इसलिए उन्होंने भाजपा में शामिल होने का मन बनाया। 29 अप्रैल को अक्षय से मेरी बात हुई थी। अक्षय चाहते तो किसी प्रस्तावक को भेजकर नाम वापस ले सकते थे, लेकिन वे संदेश देना चाहते थे कि उन्होंने इच्छा से नाम वापस लिया। यह उनका हिम्मत भरा फैसला था। मैने रमेश मेंदोला को उनके साथ भेजा, जबकि वे अकेले नामांकन वापस लेने जाना चाहते थे। नगर निगम घोटाले पर वे बोले कि घोटाले की उच्च स्तरीय जांच होगी। किसी भी दोषी को बक्शा नहीं जाएगा।

कमलनाथ की भाजपा में एंट्री पर फिर बयानबाजी, अब मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कही ये बात

इंदौर। विधानसभा चुनाव के बाद से ही कमल नाथ के भाजपा में जाने की अटकलें लगाई जा रही थी। इन अटकलों को और हवा तक मिली जब लोकसभा चुनाव की घोषणा से पूर्व कमल नाथ बेटे नकुल नाथ के साथ दिल्ली रवाना हो गए थे, हालांकि समय के साथ इन अटकलों पर विराम लग गया, लेकिन हाल ही में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कमल नाथ की भाजपा में एंट्री को लेकर फिर बड़ा बयान दिया है। दरअसल, रविवार को भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कैलाश विजयवर्गीय ने कमल नाथ के भाजपा में आने पर बात रखी। उन्होंने कहा कि कमलनाथ अच्छे व्यक्ति है, यदि वह आते तो उनका स्वागत होता, हर किसी के लिए जगह नहीं है।

और क्या बोले विजयवर्गीय

कैलाश विजयवर्गीय ने प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा की चुनावी तैयारियों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए हम कार्यकर्ताओं के साथ प्रत्येक बूथ पर काम कर रहे हैं। इंदौर के मतदाताओं से मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए मतदान करने का आग्रह करेंगे।

कमलनाथ में भाजपा में आने की थीं अटकलें

गौरतलब है कि कमल नाथ और नकुल नाथ फरवरी माह में दिल्ली रवाना हुए थे, जिसके बाद उनके समर्थक पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा सहित अन्य नेता भी दिल्ली पहुंच गए थे, जिसके बाद कयास लगाए जा रहे थे कि कमल नाथ नकुल नाथ के साथ भाजपा में शामिल हो सकते हैं, लेकिन सज्जन सिंह वर्मा ने बाद में इन कयासों को निराधार बताते हुए कमल नाथ के भाजपा में जाने की बात से इनकार कर दिया था।

लड़कियों को नेतृत्व के बजाय अनुसरण करना सिखाया जाता है, इसे बदलना होगा

इंदौर । भारतीय प्रबंध संस्थान इंदौर ने राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली के सहयोग से एक कार्यक्रम उत्थान और नेतृत्व- प्रौद्योगिकी, व्यवसाय और सार्वजनिक जीवन में अग्रणी युवा महिलाएं का आयोजन किया। यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की दिग्गज वीमेन लीडर्स और एक्सपर्ट्स को शामिल किया गया। कार्यक्रम में एडवांस टेक्नोलॉजी और भविष्य के वर्कफोर्स के अवसरों से लेकर कॉर्पोरेट डोमेन में महिलाओं के नेतृत्व सहित कई विषयों पर तीन पैनल डिस्कशन में चर्चा हुई। कार्यक्रम ने युवा महिलाओं को टेक्नोलॉजी, बिज़नेस और पब्लिक लाइफ के भविष्य को आकार देने में उनकी क्षमता बढाने, परिदृश्य को समझने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम की शुरुआत आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय के मुख्य भाषण से हुई। प्रो. राय ने राइज एंड लीड विषय पर जोर दिया, जिसमें स्वयं की आकांक्षाओं को स्वीकारते हुए निडर होकर आगे बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा, बचपन में, हम निडर होकर अपने सपनों का पीछा करते हैं। लेकिन जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, हम पर डर और बाधाएं थोप दी जाती हैं और यह खासकर महिलाओं के लिए सत्य है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर कोई अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सके।

उन्होंने महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों और बाधाओं को संबोधित करते हुए

सामाजिक गलतफहमियों को दूर करने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रो. राय ने कहा, महिलाओं को अक्सर कहा जाता है कि उनकी उपलब्धियों का श्रेय दूसरों को दिया जाता है, जिससे उनका आत्मविश्वास कम हो जाता है। हमें महिलाओं को अपने जुनून और महत्वाकांक्षाओं को पूरे दिल से आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने महिलाओं से विपरीत परिस्थितियों में आत्म-प्रेम, लचीलापन और दृढ़ता को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। एनसीडब्ल्यू की चेयरपर्सन रेखा शर्मा ने उन सामाजिक मानदंडों पर प्रकाश डाला जो महिलाओं की स्वायत्तता और निर्णय लेने की क्षमताओं को बाधित करते हैं। उन्होंने कहा, बचपन से ही लड़कियों को नेतृत्व करने के बजाय अनुसरण करने की आदत दी जाती है। हमें हर क्षेत्र में अग्रणी बनने के लिए अपनी अंतर्निहित शक्ति को पहचानना और उसका उपयोग करना चाहिए। सुश्री शर्मा ने परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में शिक्षा और सशक्तिकरण की चर्चा की और राजनीति और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। शर्मा ने कहा, हमें इस धारणा को दूर करने की जरूरत है कि राजनीति महिलाओं के लिए नहीं है। इस सकारात्मक बदलाव को लाने की अपनी क्षमता को अपनाना होगा। महिलाओं के पास प्रौद्योगिकी और एआई सहित सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए कौशल और क्षमताएं हैं। उन्होंने महिलाओं से निर्णय लेने में सक्रिय रूप से शामिल होने और राष्ट्र-निर्माण प्रयासों में योगदान देने का आग्रह किया। एनसीडब्ल्यू की सदस्य ममता कुमारी ने राजनीति और नेतृत्व की भूमिकाओं में महिलाओं की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया।

ऑडिटर-ऑपरेटर और आवक-जावक देखने वाले पर होगी एफआईआर, निवेश की भी निकाली जाएगी जानकारी

इंदौर। नगर निगम में फर्जी बिलों के जरिए करोड़ों के भुगतान के मामले में सहायक ऑडिटर विक्रम वर्मा, कंप्यूटर ऑपरेटर जगदीश चौकसे और लेखा विभाग में आवक-जावक का काम देखने वाले मुरलीधरन के खिलाफ एफआईआर दर्ज होगी। निगमायुक्त द्वारा बनाई गई समिति की जांच रिपोर्ट में घोटाले में इन तीनों की भी संलिप्तता पाई गई है।

यह बात भी सामने आई है कि आरोपित फर्जी बिल मार्च में ही पेश करते थे, ताकि वित्तीय वर्ष समाप्त होने की हड़बड़ी में वे आसानी से फर्जीवाड़े को अंजाम दे सके और इस पर किसी की नजर भी न पड़े। निगमायुक्त द्वारा बनाई गई समिति ने शुक्रवार देर रात अपनी रिपोर्ट निगमायुक्त को सौंप दी थी। समिति ने 188 फाइलों की जांच की और इसमें 150 से ज्यादा फाइलों में फर्जीवाड़ा मिला है। फर्जी दस्तावेजों के जरिए करीब 107 करोड़ रुपये के बिल पेश किए गए थे। चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें से 81 करोड़ रुपये का भुगतान किया भी जा चुका है।

यानी नगर निगम के खाते से बगैर काम ही इतनी बड़ी रकम घोटालेबाजों के खाते में ट्रांसफर हो चुकी है।समिति ने जांच में यह भी पाया है कि फर्जीवाड़े को अंजाम देने में अब तक ठेकेदार फर्मों और निगम कर्मियों, एक्जीक्यूटिव इंजीनियर अभय राठौर की भूमिका सामने आई है। इसके अलावा ऑडिट शाखा के सहायक आडिटर विक्रम वर्मा, कंप्यूटर ऑपरेटर जगदीश चौकसे और लेखा शाखा के मुरलीधर की भूमिका रही है। अब निगम इन तीनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएगा।

इंदौर में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के प्रयास, महिला वॉकथॉन आयोजित

इंदौर। इंदौर में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग लगातार प्रयास कर रहा है। साथ ही सामाजिक स्तर पर भी कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, इसी के चलते रविवार को नेहरू स्टेडियम से 'चलो मम्मा वोट कर करे थीम पर' वॉकथॉन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुई और मतदान का संदेश दिया। महिलाओं के साथ बच्चियां भी वॉकथॉन में शामिल हुई। इस दौरान महिलाओं ने डांस भी किया।

विद्यार्थियों-शिक्षकों ने निकाली रैली

इधर, लोकसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने को लेकर शनिवार को वोटाथान-मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को वास्तुविद अचल चौधरी और मतदाता जागरूकता अभियान के महाविद्यालयीन प्रभारी नोडल अधिकारी डॉ. मनोहर दास सोमानी, डॉ. विवेक कुशवाह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

12 दिन पूर्व जारी हुआ था पांचवी-आठवीं बोर्ड परीक्षा परिणाम, अब तक जारी नहीं हुए पुनर्गणना के आदेश

इंदौर। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा मार्च माह में आयोजित की गई पांचवीं-आठवीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम 22 अप्रैल को जारी हो चुके है। इस पांचवीं और आठवीं की परीक्षा में सात हजार से अधिक परीक्षार्थियों को या तो पूरक आई है या फिर वे फेल हो गए। इनमें कई परीक्षार्थी ऐसे हैं, जो एक-दो अंक से फेल हुए हैं। ऐसे परीक्षार्थियों के लिए हर साल परिणाम के बाद पुनर्गणना और उत्तर पुस्तिका की छायाप्रति बुलवाने के लिए आवेदन बुलवाएं जाते है। लेकिन इस बार परिणाम जारी हुए 12 दिन से अधिक हो चुके हैं। लेकिन अभी तक राज्य शिक्षा केंद्र ने इस संबंध में किसी तरह का आदेश जारी नहीं किया है। जबकि माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा बोर्ड परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद ही पुनर्गणना और उत्तर पुस्तिका की छायाप्रति के लिए ऑनलाइन आवेदन लेना शुरू कर दिया है। पांचवीं-आठवीं की बोर्ड परीक्षा में इस बार 99 हजार 994 परीक्षार्थी शामिल हुए थे। 22 अप्रैल को जारी हुए परिणाम में सात हजार 500 से अधिक परीक्षार्थियों को पूरक और फेल हो गए। इन परीक्षार्थियों के लिए राज्य शिक्षा केंद्र अब तीन से आठ जून तक दोबारा परीक्षा आयोजित करा रहा है।

इंदौर में बम के पाला बदलने से जनता नाराज, जानिए बदले सियासी समीकरण पर क्या बोले मतदाता ?

इंदौर। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर अमर उजाला का चुनावी रथ सत्ता का संग्राम मतदाताओं का सियासी मूड जानने निकला है। जो आज मध्यप्रदेश के इंदौर लोकसभा क्षेत्र में हैं। यहां दिन भर लोगों से संवाद कर चुनावी मुद्दे जाने जाएंगे। सुबह चाय पर चर्चा में लोगों ने खुलकर अपनी बात रखी। एक मतदाता ने कहा कि पीएम मोदी ने जो काम किए हैं, उनके बारे में दुनिया जानती है। सरकार पीएम मोदी की ही बनेगी। कांग्रेस प्रत्याशी रहे अक्षय बम के भाजपा में शामिल होने पर उन्होंने कहा कि भाजपा देश बचाना है, पार्टी को बहुमत में लाना है, इसके लिए यह कुछ भी कर सकते हैं। एक महिला मतदाता ने कहा कि अक्षय बम टक्कर में थे। कांग्रेस और भाजपा को जो भी करना है वो करेंगी, राजनीति बहुत बड़ा खेल है। यह न तो अपने बेटे और बेटी को समझती है और न रिश्तेदार को। बम तो प्रत्याशी थी। एक अन्य मतदाता ने कहा कि अक्षय बम को कोई को जबरन लेकर नहीं गया था। वे खुद इस्तीफा लेकर गए थे। अब अगर कोई भाजपा में आए तो इसके लिए क्या किया जा सकता है। एक अन्य मतदाता ने कहा कि विपक्ष का कमजोर होना लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। जो भी हुआ है ठीक नहीं हुआ है, क्यों हुआ है यह भी नहीं पता। एक युवा महिला मतदाता ने कहा कि जब विपक्ष ही नहीं है तो फिर चुनाव का भी कोई सेंशन नहीं है। फिर तो आप एक साथ सरकार बना दीजिए और जनता को बता दीजिए। इस बार में नोटा का बटन दबाऊंगी, क्योंकि विपक्ष को ही खत्म कर दिया गया है। पहली बार वोट देने जा रही एक युवती ने कहा कि भाजपा कोशिश कर रही है कि कांग्रेस वाले भी हमारी तरफ हों। ताकि, भाजपा को ज्यादा वोट मिले। इसलिए हमें नोटा दबाना ही बेहतर लग रहा है। एक अन्य मतदाता ने कहा कि शंकर लालवानी अच्छा काम कर रहे हैं। यहां कांग्रेस का वर्चस्व खत्म हो गया है, यहां भाजपा ही है। कांग्रेस के कई लोग भाजपा में शामिल हो गए हैं।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, सोमवार 06 मई , 2024

संपादकीय | आपराधिक छवि के लोगों से परहेज करने की जरूरत

अब यह उजागर है कि प्रत्याशी के चुनाव में राजनीतिक दलों से साफ-सुथरी छवि का ध्यान रखने की चाहे जितनी अपेक्षा और मांग की जाए, पर उनका मकसद एक ही होता है। वे उसी को उम्मीदवार बनाते हैं, जिसके जीतने की संभावना अधिक होती है, चाहे वह आपराधिक छवि का ही क्यों न हो। माना जा रहा था कि भारतीय जनता पार्टी बृजभूषण शरण सिंह को चुनाव मैदान में नहीं उतारेगी।

इसे लेकर उसमें ऊहापोह भी देखी जा रही थी। मगर लंबी जद्दोजहद के बाद आखिरकार उसने उनकी जगह उनके बेटे करण भूषण सिंह को टिकट दे दिया। बृजभूषण शरण सिंह महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोप में अदालत की सुनवाइयों का सामना कर रहे हैं। उनकी वजह से भाजपा को खासी किरकिरी झेलनी पड़ी। यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय कुश्ती संघ ने भी बृजभूषण शरण सिंह पर अंगुली उठाई थी, जिसके चलते उन्हें कुश्ती महासंघ के चुनाव से अलग रहना पड़ा।

मगर उन्होंने कुश्ती महासंघ पर अपना दबदबा कायम रखने की नीयत से अपने एक करीबी को अध्यक्ष का चुनाव लड़ाया और उसे ही विजय भी मिली। उस पर भी अंगुलियां उठनी शुरू हुईं, तो खेल मंत्रालय को आखिरकार बृजभूषण शरण सिंह के करीबी को अध्यक्ष पद से हटाना पड़ा।

यह समझना मुश्किल है कि भाजपा के सामने ऐसी क्या मजबूरी थी, जो उसने बृजभूषण शरण सिंह से अपना पल्ला छुड़ाना उचित नहीं समझा। उनकी जगह उनके बेटे को टिकट दे दिया। इससे बृजभूषण शरण सिंह को लेकर उठ रहे सवाल शांत नहीं हो जाएंगे। इसके पीछे एक वजह तो यह

बताई जाती है कि उत्तर प्रदेश में राजपूत समाज लगातार भाजपा पर आरोप लगा रहा था कि वह राजपूत समाज के प्रत्याशियों का टिकट काट रही है। दूसरा कारण यह हो सकता है कि बृजभूषण का टिकट कटने से उनके बगावत करने और उस सीट से भाजपा के हारने की आशंका हो सकती थी। मगर इस तरह समझौता करके भाजपा अगर अपनी एक सीट बचा भी ले, तो इससे उसके सिद्धांतों पर सवाल तो उठेंगे ही। लंबे समय से मांग की जा रही है कि राजनीतिक दल अपने प्रत्याशियों का चयन करते हुए उनकी छवि का ध्यान रखें।

निर्वाचन आयोग ने भी कहा था कि राजनीतिक दल आपराधिक छवि के लोगों को चुनावी मैदान में उतारने से परहेज करें। अगर वे किसी ऐसे प्रत्याशी को टिकट देती हैं, तो उन्हें इसका स्पष्टीकरण देना होगा कि आखिर उन्होंने ऐसा क्यों किया, क्या उसकी जगह कोई और प्रत्याशी नहीं मिला।

बृजभूषण शरण सिंह की जगह उनके बेटे को टिकट देकर बेशक भाजपा इस जवाबदेही से बच गई है, पर यह तो जाहिर है कि वह चुनाव उनका बेटा नहीं, एक तरह से वे खुद लड़ेंगे। बृजभूषण शरण सिंह पर बेशक अभी आरोप सिद्ध नहीं हुए हैं, मगर जिस तरह महिला पहलवानों ने उनके खिलाफ साक्ष्य प्रस्तुत किए और जांचों से भी उनके खिलाफ तथ्य सामने आए, उससे उन्हें फिलहाल निरपराध नहीं कहा जा सकता। यह भी छिपी बात नहीं है कि उनके खिलाफ आंदोलन पर उतरी महिला खिलाड़ियों को किस तरह दमन के जरिए आंदोलन से हटाया गया। इन सबको लेकर लगातार सरकार के रवैये पर सवाल उठते रहे हैं। इसके बावजूद उनकी जगह उनके बेटे को टिकट देकर भाजपा ने एक तरह से एक नए विवाद को गले लगा लिया है। इसे लेकर विपक्षी दलों और महिला खिलाड़ियों की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है।

सोशल मीडिया से...

मेरे जीवन को आप भली-भांति जानते हैं। मैं गरीबी का जीवन जीकर आया हूं। मैंने गरीबी को जिया है। गरीब की जिंदगी कितनी तकलीफ वाली होती है, उससे मैं गुजरते-गुजरते यहां आया हूं। इसलिए 10 वर्षों में गरीब कल्याण की हर योजना की प्रेरणाओं ने मेरे अपने जीवन के अनुभव से जन्म लिया है।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

अगर राहुल गांधी पांच जगहों से भी चुनाव लड़ेंगे तो हारेंगे। पता है कि तेजस्वी दलितों के कितने बड़े पक्षधर है। इसीलिए जमुई की जनसभा में महादलित के परिवार को गाली दी गई। और गालीकांड हुआ था। यहां हिंदू- मुस्लिम - सिख- ईसाई सब बराबर हैं। कोई अंतर नहीं है। तेजस्वी यादव कोई महान स्कॉलर नहीं हैं, जो उनकी बात को हम लोग समझें और मानें।

जीतनराम मांझी, हम पार्टी प्रमुख

कांग्रेस के मन में हिंदू धर्म को लेकर कैसी हिकारत की भावना है, वह एक बार फिर से सामने आ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समुद्र के नीचे द्वारका का दर्शन करने गए थे, लेकिन राहुल गांधी को वहां सिर्फ समुद्र ही नजर आ रहा है।

सुधांशु त्रिवेदी, भाजपा प्रवक्ता

वे मेरे भाई को शहजादा कहते हैं, जबकि मोदी खुद शहंशाह बनकर महलों में बैठे हैं। यही शहजादा देश की बहनों, किसानों और मजदूरों की समस्याएं जानने के लिए 4 हजार किमी पैदल चल चुका है। मोदी को देखिए, उनका चेहरा देखिए, बिल्कुल साफ। साफ-सुथरे कपड़े और एक बाल तक इधर से उधर नहीं होता। वे आपकी समस्याएं कैसे समझेंगे?

प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस महासचिव

आज का कार्टून

गुजरात में भाजपा हार से दूर फिर भी आंतरिक संघर्ष से मजबूर

गुजरात में कांग्रेस और आप पार्टी में गठबंधन है। गुजरात में कांग्रेस 24 सीटों पर और आम आदमी पार्टी दो सीटों भरूच और भावनगर से लड़ रही है। 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सिर्फ 17 सीटें मिली थी, उसमें भी कांग्रेस के 3 विधायक पार्टी छोड़ चुके हैं। अभी गुजरात में कांग्रेस के 14 विधायक हैं और इनमें से भी कई विधायक कब पाला बदल लें कुछ कहा नहीं जा सकता। गुजरात की सभी 26 सीटों पर 7 मई को मतदान होना है। ऐसे में भाजपा भले ही आंतरिक असंतोष से गुजर रही हो लेकिन वह कोई सीट हार जाए इसकी संभावना दूर-दूर तक नजर नहीं आती है। देखना यह है कि 2019 में पूरे देश में सबसे ज्यादा मतों से नवसारी से सीआर पाटील जीते थे, क्या इस बार भी वही जीतते हैं या भाजपा के चाणक्य अमित शाह गांधीनगर से सबसे ज्यादा वोटों जीतते है। गुजरात में कांगेस हार का मार्जिन कम करने की लड़ाई लड़ रही है तो अमित शाह कांग्रेस की जमानत जब्त करवाने की कोशिश कर रहे हैं।

समीर चौगांवकर

19 अप्रैल को गुजरात के अपने संसदीय क्षेत्र गांधीनगर में नामांकन करने पहुंचे केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रदेश संगठन के नेताओं के साथ बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र भाई पटेल, प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल और संगठन महामंत्री रत्नाकर भी मौजूद थे। अमित शाह ने पूछा कि इस बार गुजरात में कैसी तैयारी है? प्रदेश अध्यक्ष ने बड़े आत्मविश्वास से कहा कि गुजरात की सभी 26 सीटें जीतने जा रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष के इस बयान के बाद मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल मंद मंद मुस्करा रहे थे। बैठक में मौजूद सभी वरिष्ठ नेताओं को लग रहा था कि अमित शाह संगठन की तारीफ करेंगे और शाबाशी देंगे।

अमित शाह ने गंभीरता से कहा कि लगता है आप लोगों ने ठीक से काम नहीं किया है। मोदी के दस साल के कार्यकाल और कांग्रेस के बदहाल होने के बाद तो कांग्रेस की 24 और आप पार्टी की 2 सीटें मिलकर गुजरात में सभी 26 सीटों पर जमानत जब्त होना चाहिए। हम लगातार दो चुनाव से सभी सीटें जीत रहे हैं, इसमें आप नया क्या कर रहे हो? शाह ने कहा, काम पर लग जाइए और सुनिश्चित करिए कि कांग्रेस की सभी 24 और आप पार्टी की 2 सीटों पर जमानत जब्त हो जाए।

अमित शाह भले ही 26 सीटों पर विपक्षी उम्मीदवारों की जमानत जब्त करने की बात कर रहे हों, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह का गुजरात इस बार भाजपा के लिए कुछ सीटों पर चुनौती भी खड़ी कर रहा है। चुनौती का मतलब यह है कि भाजपा की जीत का मार्जिन बेहद कम हो सकता है। हालांकि सूरत सीट देश की ऐसी पहली सीट बन गई जहां बिना चुनाव के ही भाजपा जीत चुकी है। लेकिन राज्य में कुछ सीटों पर कांग्रेस की चुनौती से ज्यादा भाजपा का आंतरिक संघर्ष पार्टी को परेशानी में डाल रहा है।

गुजरात जहां भाजपा से सिर्फ टिकट मिलना ही जीत की गारंटी माना जाता है, उस राज्य में साबरकांठा और बड़ोदरा से टिकट मिलने के बाद भी विरोध और विवाद के चलते पार्टी के घोषित उम्मीदवार को अपना टिकट लौटाने के लिए बाध्य होना पड़ा। पार्टी को कार्यकर्ताओं के दबाव के बाद दूसरे उम्मीदवार देने पड़े। विश्व हिंदू परिषद के पूर्व नेता भीकाजी ठाकोर को पहले साबरकांठा से भाजपा ने उम्मीदवार घोषित कर दिया था, लेकिन बाद में उन्होने चुनाव लड़ने से मना कर दिया। उनकी जगह साबरकांठा से भाजपा ने 2022 में कांग्रेस से भाजपा में आए महेन्द्र सिंह बरैया की पत्नी शोभना बरैया को उम्मीदवार घोषित कर दिया।

बड़ोदरा से सांसद रही रंजना बेन भट्ट का टिकट भी पार्टी कार्यकर्ताओं के विरोध के कारण बदलना पड़ा। उनके घर के सामने और भाजपा कार्यालय में जमकर प्रदर्शन हुए। पार्टी कार्यकर्ता आरोप लगा रहे थे कि रंजना बेन ने कोई काम नहीं किया उसके बाद भी लगातार तीसरी बार उनको टिकट क्यों दिया जा रहा है? इसी तरह सुरेन्द्रनगर सीट से भाजपा संगठन ने 2017 में कांग्रेस से भाजपा में आए चंदूभाई सेहोरा को उम्मीदवार बनाया। भाजपा कार्यकर्ताओं को यह नागवार गुजरा कि कार्यकर्ताओं की उपेक्षा कर कांग्रेस से आए चंदूभाई को टिकट दिया जाए। सुरेन्द्रनगर सीट पर जमकर विरोध हो रहा है और हालत यह है कि भाजपा प्रत्याशी को भाजपा कार्यालय में ही बैठक लेने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

विरोध की यही स्थिति अमरेली में भी नजर आ रही है, जहां मौजूदा सांसद नारन कछाड़िया की जगह जिला पंचायत अध्यक्ष भरत सुतारिया को टिकट दिए जाने के विरोध में दोनों गुटों में जमकर हिंसक झड़प हुई। वलसाड एसटी सीट पर भी भाजपा कार्यकर्ता ध्रुव पटेल को बाहरी बताकर विरोध कर रहे हैं और टिकट वितरण में लेन देन का आरोप लगा रहे है। जूनागढ और मोरबी सीट पर भी विरोध हो रहा है। कार्यकर्ताओं के बीच आपस में तलवार खिंची हुई है।

मोदी और शाह की गहरी पकड़ वाले गुजरात में भाजपा के भीतर ही सत्ता संघर्ष का ऐसा खुला खेल पहली बार देखने को मिला है। हालत की गंभीरता इस बात से लगा सकते है कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमित शाह को गुजरात जाकर मामले को संभालने के लिए कहना पड़ा। अमित शाह पार्टी विवाद को निपटाते इसके पहले ही मोदी सरकार में मंत्री और राजकोट से भाजपा के उम्मीदवार परषोत्तम रूपाला ने राजपूतों पर बयान देकर सिर्फ गुजरात के ही नहीं पूरे देश के राजपूतों को नाराज कर दिया। राजपूतों पर विवादित बयान देने वाले परषोत्तम रूपाला पाटीदारों की एक उपजाति कड़वा पटेल समुदाय से आते हैं। गुजरात में कुल मतदाताओं में पाटीदारों की संख्या 14 से 16 फीसद है और राज्य की 26 में से 7 सीटों पर उनका काफी प्रभाव है। वहीं गुजरात के कुल मतदाताओं में क्षत्रिय मतदाता महज पांच से छह फीसदी ही हैं और 26 सीटों में से किसी भी सीट पर निर्णायक प्रभाव नहीं डाल पाते हैं। लेकिन देश के अन्य हिस्सों में राजपूतों के प्रभाव को देखते हुए भाजपा को राजपूत वोट खोने का डर सता रहा है। हालांकि रूपाला ने तीन बार माफी मांग ली है, लेकिन राजपूत समाज गुजरात में भाजपा को माफ करने के मूड में नहीं है।

भाजपा में भले ही आंतरिक असंतोष हो लेकिन गुजरात में कांग्रेस की हालत बेहद खराब है। संगठन के नेता एक एक कर भाजपा का दामन थाम रहे हैं। गुजरात का यह पहला लोकसभा चुनाव है, जब कांग्रेस को अहमद पटेल के बिना गुजरात में लड़ना पड़ रहा है। अहमद पटेल के बिना पूरा संगठन बिखरा बिखरा नजर आ रहा है। पोरबंदर से विधायक और कांग्रेस के दिग्गज नेता अर्जुन मोढवाडिया, गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष और विधायक अमरीश डेर भाजपा में चले गए है। खंभात विधायक चिराग पटेल के अलावा 2019 में अमित शाह के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ने वाले सीजे चावड़ा ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है।

हालांकि गुजरात में लगातार हार रही कांग्रेस ने बनासकांठा, साबरकांठा, आणंद, जामनगर, सूरत, सुरेन्द्रनगर, जूनागढ़ में भाजपा ने जिस जाति के नेता को प्रत्याशी बनाया है, कांग्रेस ने भी उसी जाति के नेता को टिकट दिया है ताकि लड़ती हुई दिखाई दे।

गुजरात में कांग्रेस और आप पार्टी में गठबंधन है। गुजरात में कांग्रेस 24 सीटों पर और आम आदमी पार्टी दो सीटों भरूच और भावनगर से लड़ रही है। 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सिर्फ 17 सीटें मिली थी, उसमें भी कांग्रेस के 3 विधायक पार्टी छोड़ चुके हैं। अभी गुजरात में कांग्रेस के 14 विधायक हैं और इनमें से भी कई विधायक कब पाला बदल लें कुछ कहा नहीं जा सकता।

गुजरात की सभी 26 सीटों पर 7 मई को मतदान होना है। ऐसे में भाजपा भले ही आंतरिक असंतोष से गुजर रही हो लेकिन वह कोई सीट हार जाए इसकी संभावना दूर-दूर तक नजर नहीं आती है। देखना यह है कि 2019 में पूरे देश में सबसे ज्यादा मतों से नवसारी से सीआर पाटील जीते थे, क्या इस बार भी वही जीतते हैं या भाजपा के चाणक्य अमित शाह गांधीनगर से सबसे ज्यादा वोटों जीतते है। गुजरात में कांगेस हार का मार्जिन कम करने की लड़ाई लड़ रही है तो अमित शाह कांग्रेस की जमानत जब्त करवाने की कोशिश कर रहे हैं। गुजरात में इससे ज्यादा की लड़ाई दिख नहीं रही है।

मतदान के कारण आज से भोपाल में सफर होगा मुश्किल

भोपाल (नप्र)। आज सोमवार से भोपाल में सफर करना मुश्किल होने वाला है, क्योंकि 368 में से करीब 250 सिटी बसें लोकसभा चुनाव में लगेगी। बाकी बची 118 बसें ही राजधानी की सड़कों पर दौड़ेंगी। इस कारण कई रूट पर सिटी बस के लिए घंटों इंतजार करना पड़ सकता है। भोपाल आरटीओ ने (भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड) से चुनाव के लिए ढाई सौ बसें मांगी है। इसके लिए लेटर भी लिखा है। इनमें से 15 बसें अशोकनगर और 100 बसें रायसेन जिले के लिए हैं। बाकी, बसों के जरिए भोपाल के पोलिंग बूथ पर मतदान दलों को लाने ले जाने का काम किया जाएगा। इससे बसों की कमी आएगी और लोगों को सफर करने में दिक्कतें आ सकती हैं।

15 बसें भेजी

शनिवार को 15 सिटी बसें अशोकनगर जिले में भेज दी गई है। वहीं, 100 बसें रविवार दोपहर तक जा सकती है। बाकी 135 बसें भोपाल के कुल 2034 मतदान केंद्रों के लिए उपयोग की जाएगी। इससे रविवार शाम से ही बसों की कमी आ सकती है। हालांकि, रविवार को बसों में भीड़ कम रहती है। इस कारण ज्यादा दिक्कतें नहीं होंगी, लेकिन सोमवार से बसों की कमी सामने आएगी।

3 दिन होगी दिक्कत

कल से अगले 3 दिन तक बसों की दिक्कतें होंगी। 6 मई को बसें मतदान दलों को लेकर पोलिंग बूथ पर रवाना हो जाएंगी। 7 मई को मतदान हैं, लेकिन 8 मई को सुबह तक कई बसें वापस डिपो में लौटेंगी। ऐसे में इस दिन भी कम बसें चलेगी।

भोपाल के 25 रूट पर कुल 368 बसें चलती हैं। ये बसें शहर के सभी एरिया को कवर करती हैं। बैरागढ़ के पास चिरायु हॉस्पिटल से लेकर अवधपुरी, न्यू मार्केट, अयोध्या बायपास, करोंद, एमपी नगर, मिसरोद, मंडीदीप, भोजपुर, होशंगाबाद रोड, कटारा हिल्स, बैरागढ़ चिचली, कोलार रोड, गांधीनगर, बंगरसिया, रायसेन रोड, लांबाखेड़ा, नारियलखेड़ा, भौंरी समेत अधिकांश शहरी इलाकों में चलती है।

संक्षिप्त समाचार

कर ढांचे में बदलाव की गलत खबर से गुस्से में निवेशक, सोशल मीडिया पर निकाली भड़ास

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के एक बड़े बिजनैस चैनल द्वारा लोकसभा चुनाव के बाद टैक्स के ढांचे में परिवर्तन किए जाने की रिपोर्ट का मामला शनिवार को सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना रहा। इस खबर के कारण निवेशकों को - शुक्रवार को करोड़ों रुपए का नुक्सान हुआ है जिस कारण वह गुस्से में नजर आए। स्टॉक मार्कीट से जुड़े बड़े निवेशकों ने इस मामले में ट्वीट करके वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के ट्वीट को री-ट्वीट किया। दिवंगत राकेश झुनझुनवाला के प्रशसंक आर.जे. स्टॉक्स ने इस मुद्दे पर चैनल की रिपोर्ट और उस पर दी गई वित्त मंत्री की सफाई दोनों के स्क्रीन शॉट शेयर किए, जबकि एक अन्य निवेशक अलोक जैन ने लिखा, बिजनैस चैनल ने कैपिटल गेन टैक्स पर अपनी स्टोरी को डिलीट कर दिया है। यह बिना तैयारी की रिपोर्टिंग है। क्या किसी को अंदाजा है कि एक अफवाह के चलते शुक्रवार को कितने लोगों का करोड़ों रुपए का नुक्सान है गया। रिपोर्टिंग में जिम्मेवारी होनी चाहिए। दरअसल एक शीर्ष बिजनैस चैनल ने अपनी वैबसाइट पर लिखा था कि वित्त मंत्रालय चुनाव के बाद कर ढांचे में बदलाव की योजना बना रहा है और इसके तहत देश में कर चोरी के मामले कम करने के साथ-साथ नए कानून लाने की तैयारी हो रही है जिसमें कर चोरी के मामलों में भारी जुर्माने करने के प्रावधान किया जा रहा है। इस रिपोर्ट के बाद बाजार को लगा सरकार कैपिटल गेन टैक्स में बड़ा कि बदलाव कर सकती है और इससे निश्चित तौर पर बाजार में निवेशकों पर बोझ बढ़ेगा तथा भारतीय बाजार में निवेश काम हो सकता है। इसी चिंता में बाजार लुढ़क गए। शुक्रवार को निफ्टी 22766 अंक पर खुला और दोपहर पौने दो बजे तक लुढ़क कर 22348 अंक पर आ गया और इसमें अपने ऊपरी स्तरों से 418 अंकों की गिरावट देखने को मिली, जबकि सैंसेक्स 75,017 अंक पर खुला और दोपहर पौने दो बजे तक 73,467 तक लुढ़क गया तथा इसमें 1550 अंक की गिरावट देखी गई। हालांकि बाद में सैंसेक्स 732 और निफ्टी 172 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। सोशल मीडिया पर मचे बवाल के बाद चैनल ने अपनी रिपोर्ट को वैबसाइट और सोशल मीडिया हैंडल से हटा लिया।

कोटक महिंद्रा बैंक की आमदनी 18 प्रतिशत बढ़ी, निवेशकों के लिए हुआ डिविडेंड का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। कोटक महिन्द्रा बैंक ने तिमाही नतीजों का ऐलान कर दिया है। कंपनी की तरफ से जारी किए रिजल्ट के अनुसार जनवरी से मार्च 2024 के दौरान प्रॉफिट 13,782 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कोटक महिंद्रा बैंक का प्रॉफिट 10,939 करोड़ रुपये रहा था। यानी सालाना आधार पर अगर देखें तो कोटक महिंद्रा बैंक का प्रॉफिट 4133 करोड़ या 18 प्रतिशत बढ़ा है। बैंक ने बताया कि 31 मार्च 2024 तक के आकड़ों के अनुसार उनके पास कुल 5 करोड़ ग्राहक थे। 31 मार्च 2023 तक बैंक के पास ग्राहकों की संख्या 4.1 करोड़ थी। यानी एक साल में बैंक ने 90 लाख नए ग्राहक जोड़े हैं। बता दें, कोटक महिंद्रा बैंक ने सोनाटा माइक्रोफाइनेंस का पूर्ण अधिग्रहण भी किया है। बैंक की तरफ से तिमाही नतीजों के साथ डिविडेंड का भी ऐलान किया है। बैंक ने बताया है कि योग्य निवेशकों को 5 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 2 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। पिछले एक साल के दौरान कोटक महिंद्रा बैंक की स्थिति शेयर बाजार में बहुत खराब रही है।

Warren Buffett Expresses Berkshire's Interest India, Eyes Opportunities To Capitalize

Renowned investor Warren Buffett, Chairman and CEO of Berkshire Hathaway, recently remarked on India's investment prospects during the company's annual meeting. He expressed optimism in regards to the availability of opportunities and mentioned that there is a wealth of untapped potential in the country. Emphasizing on India's potential, Buffett hinted at Berkshire's interest in exploring the various avenues in the country as he highlighted the role of the company's new management in charting its investment strategy.

Buffett, known for his astute investment strategies, brought to light the vibrant economic landscape of India and asserted that the Indian investment prospect offers a fertile ground for growth-oriented investments. He highlighted Berkshire Hathaway's inclination toward businesses that span various industries, suggesting a broad scope for potential acquisitions and investments in India's diverse market segments.

In response to queries about Berkshire's active pursuit of opportunities in India, Buffett stressed the importance of having insights and contacts conducive to facilitating transactions tailored to the Indian market. He hinted at the possibility of Berkshire leveraging its global reputation and expertise, drawing parallels with its successful ventures in other regions, including Japan.

While Buffett did not provide any concrete timelines for his plans but he indicated a proactive stance from Berkshire's new management in evaluating and pursuing opportunities in India. He acknowledged India's potential and expressed confidence in the company's ability to capitalize on India's growth trajectory He further hinted that the decisions regarding investments in the country would be driven by Berkshire's future leadership.

Buffett's optimistic outlook on India aligns with recent economic indicators, portraying the country as a beacon of growth and stability on the global stage. With robust GDP growth forecasts, manageable inflation rates, and a conducive political environment, India continues to attract attention as a key investment destination, reaffirming Buffett's confidence in the country's long-term economic prospects.

India's stellar economic performance, characterized by impressive GDP growth rates, positions it as a frontrunner among major economies worldwide. Recent projections from the International Monetary Fund (IMF) further validate India's growth narrative, with revised upward growth forecasts for the country, signaling sustained momentum in the years ahead.

As India charts its path toward becoming the third-largest economy globally, Buffett's endorsement underscores the country's emergence as a pivotal player in the global economic landscape, poised to attract significant investment inflows and drive future growth initiatives.

एनसीएलटी के कर्ज समाधान मामलों में 43 प्रतिशत उछाल: आईबीबीआई

कोलकाता एजेंसी। कई बाधाओं के बीच भारतीय दिवाला एवं शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) ने 2023-24 को एक ऐतिहासिक वर्ष घोषित किया है। इसमें राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) द्वारा किए गए समाधान मामले 43 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि के साथ 270 रहे हैं जो पिछले साल 189 मामले थे। उम्मीद है कि आईबीबीआई दिवाला और ऋण अक्षमता संहिता (आईबीसी) में 'मध्यस्थता को शामिल करने के लिए अगले दो-तीन महीनों में सरकार को एक रिपोर्ट सौंपेगी। फिलहाल इसपर चर्चा और जांच चल रही है। नियामक बड़े कॉरपोरेट मामलों के लिए प्रीपैकेज्ड समाधान पर भी काम कर रहा है, जिसकी अनुमति अब तक केवल एमएसएमई मामलों में ही है। आईबीबीआई के पूर्णकालिक सदस्य सुधाकर शुक्ला ने सीआईआई द्वारा आयोजित सातवें 'इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा कि एक साल में पहली बार नए मामलों की संख्या से समाधान हुए मामलों की संख्या बढ़ी है, जिससे पूरे भारत में लंबित मामलों में कमी आई है। उन्होंने कहा कि पिछले सात साल में बाधाओं के बावजूद 3.5 लाख करोड़ रुपए का समाधान हासिल किया गया ।

अब दूसरे बैंक के एटीएम से कैश निकालना पड़ सकता है महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप अकसर दूसरे बैंकों का एटीएम इस्तेमाल करते हैं, तो यह खबर आपके लिए है। एटीएम पर आने वाले खर्च या लागत पर नए सिरे से विचार किया जा रहा है। इसके तहत दूसरे बैंकों के एटीएम से रकम निकालने या लेनदेन करने पर शुल्क (इंटरचेंज शुल्क) बढ़ाकर 20 से 23 रुपये तक किया जा सकता है। इसके अलावा ज्यादा नकद निकालने पर भी अतिरिक्त शुल्क लिया जा सकता है। वहीं, जिन क्षेत्रों में एटीएम की कमी है, वहां शुल्क कम रखने पर भी विचार किया जा रहा है, ताकि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के लाभार्थी एटीएम से आराम से रुपये निकाल सकें। हाल ही में एटीएम उद्योग परिसंघ और भारतीय रिजर्व बैंक के बीच एक बैठक हुई। इसमें इन मुद्दों को लेकर चर्चा हुई। नई सरकार के गठन के बाद इन शुल्क में बदलाव हो सकते हैं। दरअसल, इंटरचेंज शुल्क तब लगाया

जाता है, जब आप किसी दूसरे बैंक के एटीएम या व्हाइट लेबल एटीएम पर जाकर अपने कार्ड से लेनदेन करते हैं। यह शुल्क आपके बैंक से वसूला जाता है। पहले यह शुल्क 15 रुपये प्रति लेनदेन था, जिसे एक अगस्त 2021 को बढ़ाकर 17 रुपये कर दिया गया। गैर वित्तीय लेनदेन पर शुल्क 5 रुपये से बढ़ाकर 6 रुपये कर दिया गया। मगर 2012 में एटीएम इंटरचेंज शुल्क 18 रुपये था, जिसे घटाकर 15 रुपये किया गया था।

एटीएम में ज्यादा बार भरने पड़ते हैं नोट

दरअसल, रिजर्व बैंक ने एटीएम इंटरचेंज शुल्क व्यवस्था की समीक्षा के लिए एक समिति गठित की थी। इसका गठन इसलिए किया था कि जहां बैंक कम वहां एटीएम तेजी से लगाए जाए सके। इस समिति को रिपोर्ट सौंपे काफी समय हो चुका है। रिपोर्ट में समिति ने बताया है कि किराये, ईंधन के खर्च, नकदी भरने के शुल्क और गृह मंत्रालय की सुरक्षा शर्तों का पालन करने के कारण लागत बहुत बढ़ गई है। 2,000 रुपये के नोट बंद होने के बाद अब एटीएम में नोट भी ज्यादा बार भरने पड़ते हैं। समिति ने सिफारिश कि है कि इंटरचेंज शुल्क और एटीएम उपयोग शुल्क पर नियत समय के बाद विचार होना चाहिए,

हमें इमेज की चिंता है... आरबीआई के एक्शन पर कोटक बैंक के एमडी ने किया रिएक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की कार्रवाई के बाद अब कोटक महिंद्रा बैंक को अपनी इमेज की चिंता है। कोटक महिंद्रा बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इसका सीमित फाइनेंशियल इंपैक्ट पड़ेगा लेकिन हम प्रतिष्ठा को होने वाले नुकसान के बारे में अधिक चिंतित हैं। बता दें कि पिछले महीने के अंत में आरबीआई ने कोटक महिंद्रा बैंक को अपने ऑनलाइन और मोबाइल बैंकिंग माध्यमों के जरिए नए ग्राहकों को शामिल करने और नए क्रेडिट कार्ड जारी करने से तत्काल प्रभाव से रोक दिया था क्योंकि बैंक के आईटी जोखिम प्रबंधन में कमी पाई गई थी।

कोटक महिंद्रा बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अशोक वासवानी ने कहा कि आरबीआई की कार्रवाई का देनदारी वृद्धि पर सीमित प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बैंक तकनीकी मोर्चे पर अपने प्रयासों को दोगुना कर रहा है, और विश्वास वापस जीतना अब बैंक के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्वीकार किया कि इस आदेश का असर क्रेडिट कार्ड कारोबार और इसके डिजिटल बैंकिंग केंद्रित कारोबारों पर पड़ेगा। वासवानी ने कहा- मैं फाइनेंशियल इम्पैक्ट की तुलना में प्रतिष्ठा पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर अधिक चिंतित हूं। बता दें कि वासवानी ने इसी साल जनवरी में कार्यभार संभाला है। बीते वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में कोटक महिंद्रा बैंक का प्रॉफिट 18 प्रतिशत बढ़कर 4,133 करोड़ रुपये रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 की समान तिमाही में यह 3,496 करोड़ रुपये रहा था। मार्च तिमाही में उसकी कुल आमदनी बढ़कर 15,285 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले साल समान तिमाही में 12,007 करोड़ रुपये थी। कंपनी के निदेशक मंडल ने बीते वित्त वर्ष के लिए 2 रुपये के डिविडेंड की सिफारिश की है।

5 के शेयर को खरीदने की लूट, कर्ज फ्री है कंपनी, अब बोनस शेयर बांटने का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टॉक मार्केट में कुछ ऐसी भी कंपनियां लिस्टेड हैं जिनके शेयर की कीमत 10 रुपये से कम है लेकिन वह अपने निवेशकों को समय-समय पर तोहफे देती हैं। ऐसी ही एक कंपनी- आशीर्वाद कैपिटल लिमिटेड है। इस कंपनी के शेयर की कीमत 5.57 रुपये है। बीते शुक्रवार को यह शेयर अपनी 5.47 रुपये की पिछली क्लोजिंग के मुकाबले 1.83 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। इसी साल एक फरवरी को शेयर की कीमत 8.24 रुपये तक गई थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई भी था। वहीं, 26 मई 2023 को शेयर ने 3.27 रुपये को टच किया। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। हाल ही में आशीर्वाद कैपिटल लिमिटेड ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को अपने निदेशक मंडल की बैठक की जानकारी दी है। इसी दौरान कंपनी ने बोनस शेयर के प्रस्ताव के बारे में भी बताया। कंपनी ने एक्सचेंज से कहा- आशीर्वाद कैपिटल लिमिटेड के निदेशक मंडल की बैठक 10/05/2024 को निर्धारित है। इस बैठक में अन्य बातों के अलावा 31 मार्च को समाप्त तिमाही नतीजे की घोषणा की जाएगी। इसके अलावा इक्विटी शेयरों के बोनस इश्यू की घोषणा का प्रस्ताव भी है।

मार्च 2024 के आशीर्वाद कैपिटल लिमिटेड के शेयरहोल्डिंग पैटर्न को देखें तो प्रमोटर्स के पास 51 फीसदी की हिस्सेदारी है। वहीं, पब्लिक शेयरहोल्डर्स के पास 49 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी के प्रमुख प्रमोटर में शिल्पा पोद्दार, दिनेश पोद्दार शामिल हैं। इन दोनों के पास कंपनी के क्रमशः 10.27 फीसदी और 16.40 फीसदी शेयर हैं।

डिविडेंड देने वाली कंपनियों पर दांव लगाने वाले निवेशकों के लिए अच्छी खबर है। इस हफ्ते ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर लिमिटेड के शेयर एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगे। कंपनी हर शेयर 240 रुपये का डिविडेंड दे रही है।

ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर लिमिटेड ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि 5 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर 240 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। कंपनी ने इस डिविडेंड के लिए 7 मई 2024 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है।

कंपनी हर बार भारी-भरकम डिविडेंड देती आ रही है। एक साल पहले 9 मई को कंपनी एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब कंपनी ने एक शेयर 225 रुपये का डिविडेंड दिया था। बता दें, कंपनी ने पहली बार 2020 में डिविडेंड दिया था। तब योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 180 रुपये का फायदा हुआ था।

शुक्रवार को कंपनी के शेयर बीएसई में 0.21 प्रतिशत की तेजी के साथ 7781.05 रुपये के लेवल बंद हुआ था। पिछले एक साल के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 110 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। यानी पोजीशनल निवेशकों का पैसा डबल हो गया है। वहीं, बीते 6 महीने के दौरान इस कंपनी ने शेयर बाजार में 97.80 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

भारत में एफवाय2023-24 के दौरान स्टार्टअप फंडिंग 17 प्रतिशत कम हुई

2023 में बना सिर्फ एक यूनिकॉर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में स्टार्टअप फंडिंग में वित्त वर्ष 24 में पिछले वर्ष की तुलना में 17 प्रतिशत की कमी आई है। वर्ष 2021 में निवेश पेशेवरों को प्रतिदिन औसतन छह सौदे मिल रहे थे, लेकिन 2024 में, यह घटकर तीन हो गया है।

वेल्थ 360 वन की इंडिया इन्वेस्ट्स रिपोर्ट के मुताबिक, 10 से 25 करोड़ डॉलर मूल्य की निजी इक्विटी में 60 फीसदी की गिरावट आई है। जबकि 50 करोड़ डॉलर या उससे अधिक का निवेश करने वालों की संख्या में भी 80 प्रतिशत से अधिक की भारी गिरावट आई है। 10 करोड़ डॉलर से कम के निवेश वाले फंडों में भी 30 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। लेकिन 50 लाख अमरीकी डॉलर के तहत वित्त पोषण अब भी स्थिर दर पर हो रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2.5 करोड़ अमरीकी डॉलर से अधिक के बड़े सौदे, जो आमतौर पर स्टार्टअप के बढ़ने पर मिलते हैं, में भी कमी आई है। इसका मतलब है कि कुल मिलाकर स्टार्टअप में कम पैसा जा रहा है, खासकर मध्यम से बड़े आकार के सौदों में। स्टार्टअप्स ने इस वर्ष निवेशकों से लगभग 8 अरब अमरीकी डॉलर जुटाए, जो वित्त वर्ष 22-23 से 50 प्रतिशत की तुलना में 50 प्रतिशत कम है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में 349.67 बिलियन अमरीकी डॉलर के कुल मूल्यांकन के साथ 111 यूनिकॉर्न हैं। यूनिकॉर्न की कुल संख्या में से, 102.30 बिलियन अमरीकी डॉलर के कुल मूल्यांकन वाले 45 यूनिकॉर्न 2021 में बने। 2022 में 29.20 बिलियन अमरीकी डॉलर के कुल मूल्यांकन के साथ 22 यूनिकॉर्न बने। वहीं 2023 में केवल एक यूनिकॉर्न बन पाया।

भारत में 1.7 लाख पंजीकृत स्टार्टअप हैं, जो सामूहिक रूप से 1.2 मिलियन से अधिक नौकरियां पैदा करते हैं। इनमें सबसे ज्यादा महराष्ट्र में 5801 स्टार्टअप्स हैं। इसके बाद दिल्ली एनसीआर में 3150, कर्नाटक में 3032 और तमिलनाडु में 2810 स्टार्टअप हैं।

इस साल अंबानी-अडानी से दोगुनी कमाई कर चुके हैं जेनसन हुआंग

जेफ बेजोस और एलन मस्क को भी पीछे छोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। एआई चिप बनाने वाली अमेरिकी कंपनी एनवीडिया कॉर्प के फाउंडर और सीईओ जेनसन हुआंग इस साल सबसे ज्यादा कमाई करने वाले रईस हैं। एनवीडिया के शेयरों में हाल में काफी तेजी आई है। यह माइक्रोसॉफ्ट और ऐपल के बाद दुनिया की तीसरी सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। दुनिया में एआई का चलन तेजी से बढ़ रहा है और इसके साथ ही सेमीकंडक्टर चिप की डिमांड भी बढ़ रही है। यही वजह है कि एनवीडिया कॉर्प के शेयरों में लगातार तेजी आ रही है। यह दो ट्रिलियन डॉलर का मार्केट कैप हासिल करने वाली दुनिया की पहली चिप कंपनी है। इसकी स्थापना ताइवान में पैदा हुए जेनसन हुआंग ने 1993 में की थी।

कमाई में नंबर वन

एनवीडिया के शेयरों में शुक्रवार को 3.46 प्रतिशत तेजी आई। इसके साथ ही कंपनी के फाउंडर और सीईओ जेनसन हुआंग की नेटवर्थ भी 2.58 अरब डॉलर उछल गई। वह 78.2 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के टॉप 20 अमीरों की लिस्ट में शामिल हो गए। इस साल उनकी नेटवर्थ में सबसे ज्यादा 34.2 अरब डॉलर की तेजी आई है। इस दौरान फेसबुक के मार्क जकरबर्ग की नेटवर्थ 32.8 अरब डॉलर और ऐमजॉन की फाउंडर जेफ बेजोस की नेटवर्थ 31.3 अरब डॉलर बढ़ी है। मुकेश अंबानी की नेटवर्थ इस साल 14.3 अरब डॉलर और गौतम अडानी की नेटवर्थ में 14.2 अरब डॉलर की तेजी आई है।

कैसे हुई शुरुआत

एनवीडिया की स्थापना जेनसन हुआंग ने की थी। हुआंग का जन्म 1963 में ताइवान में हुआ था। उनका बचपन ताइवान और थाईलैंड में गुजरा। 1973 में उनके माता-पिता ने उन्हें अमेरिका में अपने रिश्तेदारों के पास भेज दिया। कुछ दिन बाद वे भी अमेरिका चले गए। ह्1द्बस्त्रद्बड्ड की स्थापना अप्रैल 1993 में हुई थी। शुरु में यह कंपनी वीडियो-गेम ग्राफिक्स चिप्स बनाती थी। जब कंपनी का शेयर 100 डॉलर पर पहुंचा तो हुआंग ने अपने बाजू पर कंपनी के लोगो का टैटू बनवाया था। एनवीडिया में उनकी 3.5 परसेंट हिस्सेदारी है।

क्यों बढ़ रहा शेयर

कोरोना काल में कंपनी के शेयरों में भारी तेजी आई थी। क्रिप्टो बूम के कारण इसके माइनिंग में चिप के इस्तेमाल में तेजी आई थी। लेकिन उसके बाद कंपनी के शेयरों की कीमत दो-तिहाई गिर गई थी। अब एआई का चलन बढ़ने से फिर कंपनी के शेयरों में तेजी आ रही है। हुआंग का कहना है कि एआई कंप्यूटर क्रांति की अगुवाई कर रहा है। इसे इस्तेमाल करना आसान है, इसलिए यह तेजी से बढ़ रही है। कोई भी इंडस्ट्री इससे अछूती नहीं रहेगी। दुनियाभर की कंपनियां ज्यादा पावरफुल कंप्यूटरों का रुख कर रहे हैं जो चैटजीपीटी जैसे जेनरेटिव एआई को हैंडल कर सकें। यह ह्1द्बस्त्रद्बड्ड के चिप्स का ही कमाल था कि माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियों को बिंग जैसे फीचर डेवलप करने में मदद मिली।

कंपनियों के बीच होड़

माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी बड़ी-बड़ी टेक कंपनियों में एनवीडिया से ज्यादा से ज्यादा चिप लेने की होड़ मची है। साथ ही सऊदी अरब और यूएई भी कंपनी से हजारों चिप खरीद रहे हैं। इतना ही नहीं चीन की कंपनियां टेंसेट और अलीबाबा भी एनवीडिया के दरवाजे पर खड़ी हैं। इससे साफ है कि एनवीडिया के चिप की दुनिया में कितनी मांग है। चैटबॉट और दूसरे टूल्स के बढ़ते चलन के कारण आने वाले दिनों में इसमें और तेजी आने की उम्मीद है।

हुआंग का कहना है कि उनका काम सुबह छह बजे शुरू होता है। वह रोजाना 14 घंटे काम करते हैं। छुट्टियों और वीकेंड पर भी काम करते हैं। वह मानते हैं कि दुनिया में कुछ हासिल करने के लिए संघर्ष करना जरूरी है। कर्मचारियों से कनेक्ट होने के लिए वह कैफे में ही खाना खाते हैं। वह याद करते हैं कि 1990 के दशक के अंत में कंपनी दिवालिया होने के कगार पर पहुंच गई थी लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। आज एनवीडिया दुनिया की टॉप तीन वैल्यूएबल कंपनियों में शामिल है।

रिजर्व बैंक ने मार्च में खरीदा पांच टन सोना, दुनियाभर के केंद्रीय बैंक बढ़ा रहे स्वर्ण भंडार

नई दिल्ली, एजेंसी। मार्च में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने करीब 5 टन सोना खरीदा। भारत ही नहीं दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने सोने की खरीद बढ़ाई है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक मार्च में तुर्किये के केंद्रीय बैंक ने सबसे ज्यादा 14 सोना खरीदा है। इसके अलावा चीन के केंद्रीय बैंक ने भी 5 टन सोना खरीदा है। अन्य बड़े खरीदारों में कजाकिस्तान और सिंगापुर हैं, जिन्होंने 4-4 टन सोना खरीदी है। इसके अलावा रूस ने भी मार्च में 3 टन सोना खरीदा है। युद्ध व वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चिता की वजह से केंद्रीय बैंकों का भरोसा सोने में बढ़ रहा है। खासतौर पर बाजार की अस्थिर और मुद्रास्फीति के दबाव को सहने के लिए स्वर्ण भंडार अहम होता है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स रिपोर्ट के मुताबिक 2024 की पहली तिमाही में दुनियाभर में सोने की मांग सालाना आधार पर 3 फीसदी तक बढ़ी है। आरबीआई का स्वर्ण भंडार 800 टन से ऊपर अब तक के शीर्ष स्तर पर है। इस साल आरबीआई ने कुल 18.5 टन सोना खरीदा है। अप्रैल की शुरुआत में रिजर्व बैंक के पास करीब 822.1 टन स्वर्ण भंडार था।

मिट्टी परीक्षण का महत्व

अत्यधिक एवं असंतुलित उर्वरकों तथा कृषि रसायनों के प्रयोग से खेत की मिट्टी मृत हो रही है या उत्पादन क्षमता घट रही है। जिन क्षेत्रों में अधिक उपज देने वाली उन्नत या संकर किस्में उगाई जाती हैं वहां मिट्टी में आवश्यक पोषक तत्वों की कमी बहुत तेजी से होती है अत: भरपूर उत्पादन लेने के लिए खेत की मिट्टी में उपलब्ध तत्वों की मात्रा एवं मिट्टी का स्वास्थ्य जानने के लिए मिट्टी परीक्षण करना आवश्यक हो जाता है।

अधिक उत्पादन के लिए मिट्टी परीक्षण आवश्यक

मिट्टी परीक्षण की आवश्यकता क्यों?

भूमि में पौधे का भोजन पोषक तत्वों के रुप में उपस्थित रहता है जिन्हें पौधा लगातार लेता रहता है। यदि यह पौध पौषक तत्व काफी समय तक भूमि को नहीं दिये जाएं तो भूमि में प्राकृतिक रुप से उपस्थित पोषक तत्वों की कमी होने लगती है। जब ये आवश्यक पोषक तत्व पौधों का उपलब्ध नहीं होते हैं तो फसल की उपज में कमी आती है और भूमि की उर्वराशक्ति का संतुलन भी बिगड़ जाता है।

उदाहरण के लिए फसल में नत्रजन की आवश्यकता से अधिक मात्रा तथा स्फुर एवं पोटाश की कम मात्रा प्रयोग करने से फसल की वानस्पतिक बढ़वार तो बहुत अधिक होती है, पत्तियां गहरी हरी आकार में बड़ी तथा फसल देर से पकती है, लेकिन स्फुर एवं पोटाश की कम मात्रा के कारण फूल व फलों का विकास नहीं हो पाता है, दाना चमकदार नहीं होता है तथा कभी–कभी तो फसल में बिल्कुल फूल एवं फल नहीं बनते हैं फसल की कीट–व्याधियों से लड़ने की प्रतिरोधी शक्ति विकसित नहीं होती है तथा तना मजबूत न होने के कारण फसल तेज हवा या वर्षा से शीघ्र गिर जाती है। इसके विपरीत यदि फसल में नत्रजन की मात्रा कम तथा स्फुर एवं पोटाश की अधिक मात्रा प्रयोग की जाती है तो फसल की वानस्पतिक बढ़वार अच्छी तरह नहीं हो पाती है, पत्तियों का रंग हल्का हरा या पीला होता है लेकिन स्फुर तथा पोटाश की अधिकता के कारण फसल में फूल एवं फल शीघ्र आते हैं तथा फसल जल्दी पक जाती है लेकिन अच्छी पैदावार प्राप्त नहीं होती है। अत: इन पोषक तत्वों का एक निश्चित अनुपात में संतुलित उपयोग होना चाहिए अन्यथा उपज में तो कमी आएगी ही साथ ही भूमि की उर्वराशक्ति का ह्रास भी होगा। फसलों की औसत उपज में स्थिरता व भूमि की उर्वराशक्ति में कमी के लिए उर्वरकों के असंतुलित उपयोग को भी एक कारण माना जा रहा है। किसी भी एक तत्व की कमी या अधिकता से फसल की पैदावार पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। यदि इन तत्वों को सही अनुपात में प्रयोग नहीं किया जाता है तो जो खर्च इन तत्वों की पूर्ति हेतु उर्वरक के रुप में किया जाता है वह सब व्यर्थ होने की पूरी–पूरी सम्भावना रहती है। इन समस्याओं के निराकरण हेतु यह आवश्यक है कि मिट्टी में उपलब्ध तत्वों की पूर्ण जानकारी मिट्टी परीक्षण द्वारा प्राप्त कर विभिन्न फसलों की आवश्यकतानुसार निश्चित मात्रा में उर्वरक फसल में दिए जायें। साथ ही लक्षित उत्पादन प्राप्त करने, उर्वरकों की उपयोगिता क्षमता में वृद्धि के लिए, समस्याग्रस्त अम्लीय व क्षारीय मिट्टी के सुधार हेतु एवं विभिन्न क्षेत्रों के लिए मिट्टी उर्वरता मानचित्र तैयार करने के लिए मिट्टी की जांच कराई जाना बहुत आवश्यकता होती है।

मिट्टी नमूना लेने के लिए आवश्यक साम्रगी

- मिट्टी खोदने के औजार जैसे गैंती, फाबड़ा, खुरपी।
- नमूना एकत्र करने के लिए तगारी या पॉलीथिन।
- नमूना सुखाने के लिए साफ कपड़ा या पुराने अखबार।
- नमूना रखने के लिए 500 ग्राम क्षमता वाली साफ पॉलीथिन या कपड़े की थैली।
- नमूने के बारे में सूचना–पत्र।।

मिट्टी परीक्षण क्या है?

मिट्टी में उपलब्ध पोषक तत्वों के वैज्ञानिक विश्लेषण को मिट्टी परीक्षण कहते हैं। मिट्टी परीक्षण के अंतर्गत मुख्य रुप से नत्रजन, स्फुर, पोटाश, पीएच एवं घुलनशील लवणों का निर्धारण किया जाता है। इन विश्लेषणों के आधार पर उर्वरकों का सही एवं संतुलित प्रयोग कर अधिक पैदावार प्राप्त की जा सकती है। मिट्टी परीक्षण एक ऐसी युक्ति है जिसके द्वारा संतुलित उर्वरकों के उपयोग से उर्वरकों पर बढ़ते खर्च को कम कर अधिक पैदावार प्राप्त की जा सकती है। साथ ही मिट्टी परीक्षण से पता चलता है कि खेत में किसी भूमि सुधारक रसायन जैसे जिप्सम अथवा चूने की आवश्यकता है कि नहीं। यदि है तो भूमि सुधारक रसायन की कितनी मात्रा डालनी चाहिए।

मिट्टी परीक्षण हेतु प्रतिनिधि नमूना तैयार करना

मिट्टी परीक्षण एक तकनीकी विषय है। मिट्टी परीक्षण हेतु लगभग एक हैक्टेयर क्षेत्र से आधा किलो मिट्टी का प्रतिनिधि नमूना तैयार किया जाता है जो पूरे क्षेत्र की पोषक तत्वों की उपलब्धता को प्रकट कर सके। अत: मिट्टी का प्रतिनिधि नमूना बहुत की सावधानी से तैयार करना चाहिए। अन्यथा पूरी मेहनत व्यर्थ हो जाती है तथा मिट्टी परीक्षण की कोई उपयोगिता नहीं रह जाती है।

प्रतिनिधि मिट्टी नमूना तैयार करने की विधि

सर्वप्रथम खेत को उसकी स्थिति (समतल, ऊंची, नीची, ढ़लान) एवं मिट्टी की किस्म के अनुसार बांट लें। फिर नमूना लेने के स्थान की ऊपरी सतह को साफ कर खुरपी की सहायता से लगभग 15 सेंमी (6 इंच) की गहराई तक अंग्रेजी के (V) के आकार का गढ्डा खोदकर मिट्टी निकालकर फेंक दें फिर दोनों किनारों से 6 इंच गहराई तक 2 इंच मोटाई की मिट्टी लेकर तगारी या पॉलीथिन में एकत्र कर लें। उपरोक्त विधि से एक हेक्टेयर खेत में से लगभग 8 से 10 जगह से यादृच्छिक रेन्डम विधि से मिट्टी लेकर एक साफ पॉलीथिन पर एकत्र कर लें। फिर मिट्टी को अच्छी तरह मिलाएं तथा उसको पॉलीथिन पर गोलाई में समान रुप से फैलाएं। उंगली से इसे चार भागों में विभाजित करें तथा चार भागों में से किन्हीं दो आमने–सामने वाले भाग की मिट्टी को अलग निकाल दें। शेष बचे दो भागों की मिट्टी को लेकर फिर से गोलाई में समान रुप से फैलाए तथा पुन: चार भागों में विभाजित कर आमने–सामने के किन्हीं दो भागों की मिट्टी एकत्र करें। पुन: इसी क्रिया को तब तक दोहराएं जब तक कि लगभग 500 ग्राम मिट्टी शेष रह जाए। इस नमूने को प्रतिनिधि नमूना कहते हैं। इस नमूने की मिट्टी को साफ कपड़े या पुराने अखबार पर रखकर छाया में सुखाकर साफ पॉलीथिन या कपड़े की थैली में भर लें। अब मिट्टी परीक्षण के लिए सूचना–पत्र में जानकारी दो प्रतियों में भरकर सूचना–पत्र की एक प्रति मिट्टी नमूने की थैली के भीतर तथा दूसरा प्रति थैली के मुंह पर धागे की सहायता से संलग्न कर दें। इस प्रकार से तैयार मृदा नमूने को मिट्टी नमूने को मृदा परीक्षण प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु भिजवाएं।

मृदा नमूना तैयार करते समय ध्यान में रखने योग्य बिन्दु

- मिट्टी नमूने को खाद की खाली थैली में एकत्र नहीं करना चाहिए।
- प्रत्येक खेत का अलग–अलग नमूना लेना चाहिए।
- यदि एक ही खेत में फसल की पैदावार एक समान न हो तो खेत को उर्वराशक्ति के अनुसार विभाजित कर अलग–अलग नमूना लेना चाहिए।
- एक मिट्टी नमूना अधिक से अधिक 1 हेक्टेयर क्षेत्रफल से तैयार करना चाहिए।
- विश्लेषण हेतु तैयार किया मिट्टी नमूना खेत से लगभग 8–10 जगह से मिट्टी लेकर बनाना चाहिए।
- मेड़ों के किनारे, वृक्षों के नीचे की जगह, खलिहान बनाई गई जगह, खाद के गड्डे की जगह, सिंचाई की नाली की जगह, दलदल की जगह आदि से मिट्टी नमूना एकत्र नहीं करना चाहिए।
- सूक्ष्म पोषक तत्वों की जांच के लिए मिट्टी नमूना लेने में पीतल, कांसा या गेल्वनाइज्ड औजार उपयोग में नहीं लाने चाहिए क्योंकि उनका तांबा या जस्ता नमूने को दूषित कर देगा।
- बागवानी के लिए मिट्टी के 2 मीटर तक गहराई की जांच करानी चाहिए।
- ऊसर भूमि में क्षार व नमक की मात्रा मौसम के अनुसार भूमि की सतह पर घटती–बढ़ती रहती है। इसलिए ऐसे समस्याग्रस्त खेतों की मिट्टी का नमूना 100 सेमी गहराई तक लेना चाहिए।

मिट्टी नमूना लेने का समय

- गर्मियों में रबी फसल की कटाई के बाद से लेकर खरीफ फसल की बुवाई के पहले तक कभी भी मिट्टी नमूना लिया जा सकता है।

मिट्टी परीक्षण कहां कराएं?

उपरोक्त विधि से लिए गए प्रतिनिधि मिट्टी नमूने का परीक्षण निकटतम कृषि विज्ञान केन्द्र या कृषि विभाग की मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला में कराया जा सकता है।

लाभदायक गर्मियों की जुताई

फसलों को हानि पहुंचाने वाले रोगाणु, रोगजनक, कीड़े, खरपतवारों के बीज फसलों की कटाई के बाद भूमि की दरारों (खाली जगहों) में सुषुप्तावस्था में पड़े रहते हैं और जब अगली फसल की बुवाई की जाती है और अनुकूल मौसम मिलने पर पुन : सक्रिय होकर फसलों को हानि पहुंचाना प्रारंभ कर देते हैं।

खेतों में फसलों की बुवाई के समय बार–बार एक निश्चित गहराई पर 6–7 इंच पर बखर या हेरो चलाने से खेतों में नीचे एक कड़ी परत बन जाती है जिससे वर्षा का सम्पूर्ण पानी खेतों द्वारा नहीं सोखा जाता है, जिससे पानी खेतों से बाहर निकल जाता है, और अपने साथ मिट्टी और फसलों के लिए आवश्यक पोषक तत्वों को भी बहा ले जाता है, ग्रीष्मकालीन जुताई 9–12 इंच तक मिट्टी पलटने वाले हल से जुताई करने पर यह कड़ी परत टूट जाती है, और बरसात का पानी खेतों द्वारा अधिक मात्रा में सोख लिया जाता है, मिट्टी धूप तपने से भी भुरभुरी हो जाती है और मिट्टी में वायु का संचार बढ़ जाता है और खेतों की जल धारण क्षमता बढ़ जाती है, ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई से अनेक लाभ होते हैं।

खरपतवार नियंत्रण

फसलों के लिए खरपतवार एक बड़ी समस्या है कभी–कभी इनके कारण उत्पादन 20–60 प्रतिशत तक कम प्राप्त होता है कुछ ऐसे खरपतवार जैसे– कांस, मौथा, दूब इनकी जड़े भूमि में काफी गहराई तक चली जाती है जिसके कारण निंदाई–गुड़ाई एवं खरपतवारनाशी रसायनों से पूर्ण नियंत्रण नहीं हो पाता है ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करने से इन खरपतवारों के राइजोम, जड़े निकल आती हैं और सूर्य की तपन से सूख कर नष्ट हो जाती है और धीरे–धीरे खेतों से खरपतवार की समस्या कम हो जाती है।

जल संरक्षण

अधिकांशत: किसान भाई फसलों की आवश्यकता के अनुसार एक निश्चित गहराई पर 6–7 इंच लगातार जुताई करते हैं जिससे इस गहराई के नीचे मिट्टी की एक कड़ी परत बन जाती है। जिसके कारण खेतों में जल को अंत: करण करने में बाधा उत्पन्न करती है अत: अप्रैल महीने में गहरी जुताई (9 इंच से गहरी) करने से यह कड़ी सतह टूट जाती है जिससे वर्षा का सम्पूर्ण पानी खेतों द्वारा सोख लिया जाता है जिससे जल स्तर बढ़ जाता है।

कीट व्याधि नियंत्रण

रबी की फसलों को हानि पहुंचाने (रोग के रोगजनक, कीट लाख) वाले रोग के रोगजनक, रोगाणु हानिकारक कीड़े फसल की कटाई के बाद खेतों में ही खेतों की दरारों में सुषुप्तावस्था में पड़े रहते है और जब अगली फसल बोई जाती है तो रोगजनक रोगाणु कीड़े सक्रिय लेकर फसलों को हानि पहुंचाना प्रारंभ कर देते हैं। कभी–कभी इन रोगाणुओं एवं कीटों के कारण सम्पूर्ण फसल नष्ट हो जाती है। ग्रीष्मकालीन जुताई से रबी फसल की कटाई के बाद खाली खेतों की गहरी जुताई हो जाने से ये रोगजनक, कीड़े भूमि की ऊपरी सतह पर आ जाते है और सूर्य की तपन से नष्ट हो जाते हैं।

मृदा उर्वता में वृद्धि

पृथ्वी पर पाये जाने वाले वायुमंडल में सबसे अधिक मात्रा में नाइट्रोजन गैस होती है जो कि फसलों के लिए अमोनिया रुप में नत्रजन उपलब्ध कराती है विभिन्न रसायनिक क्रियाओं के कारण यह गैस वर्षा जल में घुल जाती है जब पहली वारिश का पानी गिरता है जो उसमें नत्रजन की अधिक मात्रा होती है जो फसलों के लिए आवश्यक है खेत गहरे जुते होने पर यह वर्षा सम्पूर्ण पानी खेतों द्वारा सोख लिया जाता है तो खेतों की उर्वरता में वृद्धि एवं जल धारण क्षमता में वृद्धि होती है खेत जुते होने से बरसात में मृदा कटाव से खेतों को बचाया जा सकता है साथ ही मिट्टी के साथ पोषक तत्वों को भी बहने से बचाया जा सकता है।

ग्रीष्मकालीन जुताई में कुछ बातें ध्यान रखें

- रबी फसल की कटाई हो जाने के तुरंत बाद खेतों में पर्याप्त नहीं रहती है अत: तुरंत जुताई करें विलम्ब से जुताई करने पर मिट्टी सूर्य की तेज धूप से कड़ी हो जाएगी जिससे गहरी एवं अच्छी जुताई नहीं होगी।
- खेतों की जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करें ताकि मिट्टी बड़े–बड़े ढेलों के रुप में रहे जिससे गर्म लू जमीन में गहराई तक जाकर रोगजनकों एवं कीटों की शंखी अवस्था आदि को नष्ट कर दें।
- ग्रीष्म कालीन जुताई प्रत्येक वर्ष प्रत्येक खेत की करें, यह आवश्यक नहीं है इसके लिए खेतों को 3 हिस्सों में बांटकर प्रत्येक वर्ष एवं हिस्से की गहरी जुताई करें इस प्रकार हर 3 वर्ष के अंतराल में प्रत्येक खेत की जुताई की जा सकती है। जुताई करते समय खेत के चारों और मेड़ बंधना करना आवश्यक हैं, वर्षा का पानी खेतों से बाहर नहीं जा सकेगा और पानी को जमीन सोख लेगी और खेतों की उर्वरता बरकरार रहेगी।

पेरिस ओलंम्पिक

बजरंग की उम्मीदों को लगा तगड़ा झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर बजरंग से समय रहते निलंबन नहीं हटाया गया तो वह अगले महीने होने वाले चयन ट्रायल में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। मालूम हो कि बजरंग ने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। भारतीय पुरुष पहलवान बजरंग पूनिया को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। इस कारण बजरंग के पेरिस ओलंपिक में शामिल होने को लेकर तगड़ा झटका लगा है।

नाडा के अनुसार, बजरंग ने 10 मार्च को सोनीपत में हुए चयन ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए सैंपल देने से मना कर दिया था जिस कारण उन पर यह कार्रवाई की गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अगर बजरंग पर से समय रहते निलंबन नहीं हटाया गया तो वह अगले महीने होने वाले चयन ट्रायल सहित किसी भी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। मालूम हो कि बजरंग ने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। अब तक किसी भी भारतीय ने 65 किग्रा वर्ग में ओलंपिक कोटा हासिल नहीं किया है। सुजीत कलकल नौ मई से इस्तांबुल में होने वाले विश्व क्वालीफायर्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

नाडा ने बजरंग से सैंपल देने कहा था

बजरंग ने सोनीपत में हुए ट्रायल के दौरान अपने यूरीन का सैंपल देने से इनकार कर दिया था जिसके बाद नाडा ने उनसे सैंपल देने के लिए कहा था। नाडा ने इस बारे में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) को सूचित किया जिसके बाद वाडा ने नाडा को सुझाव दिया कि वे बजरंग को नोटिस भेजकर जवाब मांगे कि उन्होंने टेस्ट से इनकार क्यों किया।

नाडा ने 23 अप्रैल को बजरंग को नोटिस जारी कर सात मई तक जवाब देने कहा है। बजरंग को पेरिस ओलंपिक क्वालिफायर्स के लिए आयोजित राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स में हार का सामना करना पड़ा था।

बजरंग ने किट के एक्सपायर होने का आरोप लगाया था

बजरंग ने कुछ महीने पहले एक वीडियो जारी कर डोप कलेक्शन किट के एक्पायर होने का आरोप लगाया था।

नाडा ने बयान में कहा, बजरंग को मामले की सुनवाई के दौरान अंतिम निर्णय लेने से पहले किसी प्रतियोगिता या ट्रायल में भाग लेने से अस्थायी रूप से निलंबित किया जाता है। दिलचस्प बात यह है कि निलंबन पत्र वर्ल्ड यूनाइटेड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) द्वारा मान्यता प्राप्त भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की भंग हो चुकी तदर्थ समिति को भेजा गया था।

स्लोअर पर लगातार OUT हो रहे सूर्यकुमार यादव

नईदिल्ली, एजेंसी। आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए 30 अप्रैल को भारतीय टीम की घोषणा हुई थी. आगामी टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम की कप्तानी रोहित शर्मा करेंगे. वहीं हार्दिक पंड्या के कंधों पर उप-कप्तानी की जिम्मेदारी होगी. टी20 वर्ल्ड कप 1 जून से लेकर 29 जून तक वेस्टइंडीज और यूएसए में खेला जाना है.

टी20 वर्ल्ड कप टीम में विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को भी जगह मिली है. सूर्या फिलहाल इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस के लिए भाग ले रहे हैं, जहां उनके प्रदर्शन में निरतंरता नहीं दिख रही हैं. सूर्या ने आईपीएल 2024 में अब तक 8 पारियों में 29 की औसत से 232 रन बनाए हैं. इस दौरान सूर्या ने तीन मौकों पर अर्धशतकीय पारियां खेलीं. वहीं दो बार वह खाता नहीं खोल पाए. सूर्या मौजूदा सीजन में धीमी गेंदों के खिलाफ संघर्ष करते दिखे हैं. सूर्या अब तक पांच बार स्लोअर पर आउट हुए हैं. चाहें संदीप शर्मा हों या सैम करन... सूर्या के खिलाफ तेज गेंदबाजों ने धीमी गेंदों का प्रयोग किया और इसमें उन्हें सफलता भी मिली. सूर्या को टी20 विश्व कप से पहले इसका समाधान ढूंढने की जरूरत है, नहीं तो भारतीय टीम के लिए मुश्किलें खड़ी हो जाएंगी. सूर्या इंटरनेशनल क्रिकेट में कई बार धीमी गेंदों पर फंसे हैं. पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भी सूर्या के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने धीमी गेंदों का प्रयोग किया था.

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए उस फाइनल मैच में सूर्या धीमी गेंदों के आगे बेबस नजर आए थे और उन्होंने 28 गेंदों पर सिर्फ 18 रन बनाए. भारतीय टीम को भी उस खिताबी मुकाबले में में छह विकेट से हार झेलनी पड़ी थी.

बेल्जियम के डेनियल दारदा नें जीता सर्दिनिया विश्व शतरंज फेस्टिवल का खिताब

ओलबिया, इटली, एजेंसी। सर्दिनिया विश्व शतरंज फेस्टिवल का खिताब एक बेहद ही रोमांचक फाइनल मुक़ाबले में बेल्जियम के ग्रांड मास्टर डेनियल दारदा नें अपने नाम कर लिया, दरअसल नौवे राउंड में एक दिन पहले तक 6.5 अंक बनाकर सबसे आगे चल रहे दोनों ग्रांड मास्टर स्पेन के एलन पीचोट और इज़राइल के ग्रांडमास्टर यैर पारखोव अंक अपने मुक़ाबले हार गए और चार खिलाड़ी 7 अंक बनाकर सयुंक्त पहले स्थान पर आ गए. पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर बेल्जियम के डेनियल दारदा, रोमानिया के किरिल सावचेंकों , फीडे के मुरजिन वोलोदर और नीदरलैंड के वांन फॉरेस्ट क्रमशः पहले से चौथे स्थान पर रहे।

अंतिम राउंड में डेनियल नें एलन को काले मोहरो से खेलते हुए पराजित किया जबकि पारखोव को वांन फॉरेस्ट से हार का सामना करना पड़ा । भारतीय खियालड़ियों में सविता श्री नें सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरुस्कार जीता जबकि इसी वर्ग में भारत की वन्तिका अग्रवाल दूसरे स्थान पर रही ।

भारतीय बॉक्सिंग के लिए ऐतिहासिक दिन, -22 एशियाई यूथ बॉक्सिंग में 43 मेडल पक्के हुए

नई दिल्ली, एजेंसी। आकाश गोरखा, विश्वनाथ सुरेश, निखिल और प्रीत मलिक शनिवार को एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अंडर-22 पुरुषों के फाइनल में पहुंच गए। इसी के साथ भारतीय मुक्केबाजों ने सभी श्रेणियों में 43 पदक पक्के कर लिए हैं। आकाश गोरखा, विश्वनाथ सुरेश, निखिल और प्रीत मलिक शनिवार को एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अंडर-22 पुरुषों के फाइनल में पहुंच गए।

इसी के साथ भारतीय मुक्केबाजों ने सभी श्रेणियों में 43 पदक पक्के कर लिए हैं। सीनियर राष्ट्रीय चैंपियन आकाश ने 60 किग्रा वर्ग में अपना दबदबा कायम रखते हुए सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान के इलियासोव सयात को 5-0 से हराया। मुकाबले की समीक्षा के बाद मौजूदा युवा विश्व चैंपियन विश्वनाथ (48 किग्रा) ने फिलीपींस के बारिकुआत्रो ब्रायन के खिलाफ 5-2 से जीत दर्ज की।

अन्य दो सेमीफाइनलिस्ट, निखिल (57 किग्रा) और प्रीत (67 किग्रा) ने भी क्रमशः मंगोलिया के दोर्जन्याम्बु गनबोल्ड और किर्गिस्तान के अल्माज़ ओरोजबेकोव के खिलाफ समीक्षा के बाद समान 5-2 स्कोर के साथ अपने मुकाबले जीते। इस बीच, एम जदुमणि सिंह (51 किग्रा), अजय कुमार (63.5 किग्रा), अंकुश (71 किग्रा), ध्रुव सिंह (80 किग्रा), जुगनू (86 किग्रा) और युवराज (92 किग्रा) के लिए यह निराशाजनक था क्योंकि उन्होंने कांस्य पदक के साथ अपना अभियान समाप्त किया। अंडर-22 सेमीफाइनल में उनकी हार। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी प्रीति (54 किग्रा) सहित नौ महिला मुक्केबाज अंडर-22 सेमीफाइनल में भाग लेंगी। अंडर-22 का फाइनल मंगलवार को खेला जाएगा।

आईपीएल से सीधा पंगा लेगा पीएसएल

● खुद दे रहा अपनी बर्बादी को निमंत्रण, क्या है कंगाल पाकिस्तान की नई चाल

लाहौर, एजेंसी। आईपीएल की नकल करके पाकिस्तान ने 2016 में पीएसएल यानी पाकिस्तान सुपर लीग की शुरुआत की थी। दुनिया की सबसे महंगी टी-20 लीग आईपीएल के सामने पीएसएल की औकात किसी से छिपी नहीं है। लगभग सभी देशों के विश्व स्तरीय खिलाड़ी पीएसएल की बजाय आईपीएल में खेलना पसंद करते हैं। फाफ डुप्लेसिस, राशिद खान, एडम मार्करम, सरीखे इक्के-दुक्के बड़े नाम ही पीएसएल में नजर आते हैं। मगर अब लगता है कि ये खिलाड़ी भी पाकिस्तान सुपर लीग में नहीं खेलेंगे। खुद पीसीबी ने अपनी इस टी-20 लीग की बर्बादी स्क्रिप्ट तैयार कर ली है।

खबरों की माने तो अब पीएसएल का आयोजन भी आईपीएल के दौरान ही किया जाएगा, यानी दोनों टूर्नामेंट आपस में टकराएंगे। लीग को अगले सीजन से अप्रैल-मई विंडो में ट्रांसफर करने की बात चल रही है।

वेतन सीमा के बाहर एक मार्की खिलाड़ी को साइन करने के लिए फ्रैंचाइजी को अतिरिक्त धनराशि यानी तीन लाख यूएस डॉलर से ज्यादा के कॉन्ट्रैक्ट की संभावना भी शामिल है। प्ले-ऑफ के मुकाबले तटस्थ स्थान पर खेले जाएंगे, जिसमें यूके एक विकल्प होगा।

मई के अंत में होने वाली औपचारिक पीएसएल गवर्निंग काउंसिल की बैठक से पहले एक प्री-बैठक में शनिवार को बोर्ड और छह फ्रैंचाइजी के बीच एक मीटिंग में योजनाएं प्रस्तावित की गई। बोर्ड उस बैठक में प्रस्तावों पर मुहर लगाने की उम्मीद कर रहा है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के मुताबिक कुछ फ्रैंचाइजी शेड्यूल में बदलाव के पक्ष में हैं और बाकी या तो फैसला नहीं कर पा रहे हैं या फिर इस विचार के खिलाफ हैं। दो बार के चैंपियन लाहौर कलंदर्स को इस बदलाव का विरोध करने वालों में से एक माना जा रहा है।

7 अप्रैल से 20 मई की विंडो !

पीसीबी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि 2025 चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी फरवरी में पाकिस्तान करने वाला है, इसका मतलब है कि पीएसएल के 10वें सीजन के लिए प्रस्तावित विंडो 7 अप्रैल से 20 मई की होगी। इसका मतलब है कि यह आईपीएल से टकराएगा। पीसीबी इसे एक स्थायी स्विच के रूप में देख रहा है, क्योंकि पीएसएल तेजी से बढ़ती दिसंबर-फरवरी विंडो से दूर जाने की कोशिश कर रहा है, फिलहाल जिस दौरान यह टूर्नामेंट चल रहा है। इस दौरान न सिर्फ दुनिया भर में चार टी-20 लीग खेली जाती है बल्कि बिजी इंटरनेशनल क्रिकेट कैलेंडर भी एक्टिव रहता है।

इसके विपरीत, अप्रैल से मई की विंडो में जाने का मतलब है कि पूर्ण सदस्य अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का न के बराबर होना।

सिनेमा के माध्यम की बजाय भूमिका को तवज्जो देती हैं यामी

यामी गौतम इंडस्ट्री की चर्चित अदाकारा हैं। उन्होंने कई चर्चित फिल्मों में काम किया है, इसके अलावा ओटीटी पर भी उनका दबदबा दिखा है। हर नए किरदार में वह खुद को बखूबी ढालने में माहिर हैं। बीते दिनों आई उनकी फिल्म आर्टिकल 370 खूब पसंद की गई। हाल ही में यामी ने पारंपरिक सिनेमा और ओटीटी प्लेटफॉर्म के बीच चल रही मौजूदा चर्चा पर अपने विचार साझा किए। कुछ कलाकार माध्यम को प्राथमिकता देते हैं। मगर, उन सभी के विपरीत यामी गौतम की प्राथमिकता उनकी भूमिकाएं रही हैं, जिन्हें वे अब तक निभाती रही हैं। यामी का कहना है, मैंने कभी भी अपनी कोई फिल्म यह सोचकर नहीं चुनी कि यह ओटीटी या थिएटर के लिए बहुत अच्छी है। मैंने उन्हें उस तरह से चुना जैसे वे थीं और जो भूमिकाएं मैं निभाना चाहती थी। यामी गौतम ने ओटीटी प्लेटफॉर्म की मौजूदगी के बीच बड़े पर्दे के प्रति अपना लगाव जाहिर किया। उन्होंने स्वीकार किया कि खुद को सिनेमाघरों में देखना उनके दिल के करीब का मामला रहा है। अभिनेत्री ने कहा कि उस क्षण में कुछ खास होता है, जब रोशनी कम हो जाती है, प्रोजेक्टर चालू हो जाता है और दर्शक सिर्फ और सिर्फ उस फिल्म का लुत्फ उठाते हैं। काम के प्रति जुनून और कला के प्रति यामी के मन में जो सम्मान है, वह याद दिलाता है कि सिनेमा स्क्रीन और किसी भी माध्यम से परे होता है। यामी गौतम का कहना है कि वह अपने आगामी प्रोजेक्ट्स के लिए कहानी कहने के नए तरीकों को आजमाने के लिए भी तैयार हैं। इंडस्ट्री में आए बदलाव के साथ वह अलग रास्ते अपनाने की भी इच्छुक हैं। यामी का कहना है कि उनकी मकसद सिर्फ मशहूर होना नहीं, बल्कि शानदार कहानी पेश करना भी है।

जून के अंत तक

बंद हो जाएगा कपिल शर्मा शो, कीकू शारदा ने दी अपडेट

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' मार्च के अंत में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर शुरू हुआ था। अब इसके रैपअप की खबरें आ रही हैं। इतनी जल्दी इस शो के बंद होने को लेकर हर कोई हैरान है। कहा जा रहा है कि कम व्यूअरशिप की वजह से दिग्गज कॉमेडियन कपिल शर्मा का ये शो बंद किया जा रहा है। इस बीच, शो के मुख्य कलाकार कीकू शारदा ने रिएक्शन दी है। कीकू ने कहा कि हम लोग 13 एपिसोड कर चुके हैं और दूसरा सीजन भी जल्द आएगा। हमने पहले सीजन के लिए रैपअप किया है। यह हमेशा से ऐसा ही होने वाला था। हमने अगले सीजन के लिए पहले ही प्लान कर लिया है और वह जल्द ही आएगा। यह ज्यादा बड़ा गैप नहीं होने वाला है। टेलीविजन पर यह ज्यादा लंबा चलता है लेकिन यह दूसरे फॉर्मेट की बात है।

मुझे अपनी जिंदगी में ज्यादा एक्सपेरिमेंट करना पसंद नहीं हैं : सायंतनी

एक्ट्रेस सायंतनी घोष, जो वर्तमान में शो दहेज दासी में नजर आ रही हैं, ने बताया है कि उन्हें अपनी जिंदगी में ज्यादा एक्सपेरिमेंट करना पसंद नहीं है, वह स्थिरता पसंद करती हैं। वर्ष 2005 में एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस टीवी इंडस्ट्री का हिस्सा बनकर खुश हैं। उन्होंने कहा कि यह कमाई का एक नियमित स्रोत भी प्रदान करता है। सायंतनी ने कहा, मुझे अपनी जिंदगी में ज्यादा एक्सपेरिमेंट करना पसंद नहीं है और मैं कुछ स्थिरता चाहती हूं।

बीस साल तक सचमुच कड़ी मेहनत करने के बाद, मैं अपनी जिंदगी के इस पड़ाव पर आराम करना पसंद करती हूं। अगर मैं किसी खास शो और भूमिका से खुश हूं, और वह कई साल तक चलता है, तो मेरे लिए यह बहुत बड़ी बात है। उन्होंने आगे कहा, डेली सोप का मतलब निश्चित रूप से लगातार काम करना है, लेकिन जीवन के हर दूसरे पहलू की तरह, हर चीज के अपने फायदे और नुकसान होते हैं। बहुत से लोग लगातार काम करने या काम के घंटों की संख्या के बारे में शिकायत करते हैं, लेकिन इसके साथ इसके फायदे भी हैं। यह आमदनी का एक नियमित स्रोत है। यह रेगुलर रोजगार की तरह है, और इस तरह वित्तीय सुरक्षा भी मिलती है। उन्होंने कहा, यह टिकाऊ है, क्योंकि जब किसी अन्य फॉर्मेट की बात आती है, तो आप एक प्रोजेक्ट करते हैं और फिर एक डाउनटाइम होता है। लेकिन जब आप डेली सोप से जुड़े होते हैं, तो यह काफी समय तक चलता है। मुझे लगता है कि यह एक फायदा है। सायंतनी का मानना है कि यह सिर्फ एक शो के बारे में नहीं है, यह एक पूरी टीम के बारे में है जिसके साथ एक एक्टर काम करता है, और जो उनकी वर्क फैमिली बन जाती है। सायंतनी ने कहा, यह सिर्फ आपका रोल या आपका शो नहीं है। वह यूनिट भी मायने रखती है जिसके साथ आप काम करते हैं।

इसमें हर कोई शामिल है, चाहे वह आपका मेकअप आर्टिस्ट हो, आपकी हेयर टीम हो, स्पॉट दादा हों, निर्देशक हों या को-एक्टर्स हों, वे लोग एक परिवार बन जाते हैं। यह वर्षों तक जारी रहता है। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए बहुत अच्छी स्थिति है क्योंकि यह मुझे निरंतरता प्रदान करता है।

संक्षिप्त समाचार

मेरठ साउथ स्टेशन नमो भारत ट्रेन के स्वागत को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल कॉरिडोर पर आप बहुत जल्द मेरठ साउथ (परतापुर तिराहा) तक सफर कर सकेंगे। शनिवार को एनसीआरटीसी के नए प्रबंध निदेशक (एमडी) कुलदीप नारायण के निरीक्षण में मेरठ साउथ स्टेशन संचालन के लिए ओके पाया गया है। अब बस सेफ्टी कमिश्नर के अंतिम आदेश का इंतजार है। अधिकारियों की मानें तो इस महीने आचार संहिता की दिक्कत नहीं हुई तो संचालन शुरू हो जाएगा, अन्यथा 4 जून तक इंतजार करना होगा। इसका कारण यह बताया जा रहा है कि दिल्ली में अभी चुनाव नहीं हुए हैं। अप्रैल माह में एनसीआरटीसी के तत्कालीन एमडी विनय कुमार सिंह ने इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद केंद्रीय शहरी और आवास मंत्रालय के संयुक्त सचिव कुलदीप नारायण को एमडी का चार्ज दिया गया। एमडी का चार्ज लेने के बाद वह शनिवार को दिल्ली से मेरठ तक 82 किलोमीटर के रैपिड कॉरिडोर के निरीक्षण पर निकले। उन्होंने यात्रा की शुरुआत दिल्ली में सराय काले खां और न्यू अशोक नगर के बीच निर्माणाधीन खंड के निरीक्षण के साथ की। उसके बाद साहिबाबाद और मोदीनगर उत्तर और दुहाई डिपो के बीच आरआरटीएस कॉरिडोर के लिए रवाना हुए। मोदीनगर के बाद उन्होंने मेरठ साउथ स्टेशन का अधिकारियों के साथ जायजा लिया। इसमें पाया गया कि मेरठ साउथ स्टेशन से संचालन किया जा सकता है। सारी तैयारी पूर्ण हो चुकी है। उसके बाद एमडी ने शताब्दीनगर और उसके बाद मोदीपुरम तक के कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान एमडी कुलदीप नारायण ने समय पर प्रोजेक्ट को पूर्ण करने और निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल के पालन पर विशेष जोर दिया। शुक्रवार को रोशनपुर डोरली हादसे की उन्होंने जानकारी ली। एनसीआरटीसी अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान में दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के साहिबाबाद और मोदीनगर उत्तर के बीच 34 किमी में नमो भारत का संचालन हो रहा है, जिसमें आठ स्टेशन शामिल हैं। शेष हिस्सों पर निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। दिल्ली के सराय काले खां से मेरठ के मोदीपुरम तक फैले पूरे 82 किलोमीटर के गलियारे के जून 2025 की निर्धारित समयसीमा के अनुसार चालू होने की उम्मीद है।

ड्यूटी पर सो गया स्टेशन मास्टर, ग्रीन सिग्नल का इंतजार करता रहा ट्रेन का ड्राइवर

नई दिल्ली, एजेंसी। अक्सर ट्रेन हादसों में देखा जात है कि लापरवाही के कारण ही बड़े हादसे होते हैं। ऐसा ही तीन मई को उत्तर प्रदेश के इटावा के पास उदी मोर रोड स्टेशन पर देखा गया। यहां स्टेशन मास्टर के ड्यूटी पर सो जाने के कारण तीन मई को पटना-कोटा एक्सप्रेस ट्रेन लगभग आधे घंटे तक हरी झंडी का इंतजार करती रही साथ ही कोई अप्रिय घटना से बच गई। वहीं, अब इस मामले को रेलवे ने गंभीरत से लिया है और स्टेशन मास्टर से लापरवाही का कारण बताने को कहा है। आगरा रेलवे डिवीजन पीआरओ प्रशस्ति श्रीवास्तव ने पीटीआई को बताया कि हमने स्टेशन मास्टर को पत्र जारी किया है और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा रही है। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि उदी मोड़ रोड स्टेशन इटावा से पहले एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण स्टेशन है क्योंकि आगरा के साथ-साथ झांसी से भी प्रयागराज की ओर जाने वाली ट्रेनें इस स्टेशन से गुजरती हैं। सूत्रों के मुताबिक, ट्रेन के लोको पायलट को स्टेशन मास्टर को जगाने और ट्रेन को गुजरने के लिए हरा सिग्नल चालू करने के लिए कई बार हॉर्न बजाना पड़ा। स्टेशन मास्टर ने अपनी गलती स्वीकार कर ली पीटीआई के मुताबिक, एक सूत्र ने कहा कि स्टेशन मास्टर ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और चूक के लिए माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि वह स्टेशन पर अकेले थे क्योंकि उनके साथ ड्यूटी पर तैनात पॉइंट्समैन ट्रैक निरीक्षण के लिए गया था।

40 हजार के लिए किरायेदार ने कांग्रेस नेता के बेटे को किडनैप कर मार डाला

नई दिल्ली , एजेंसी। गाजियाबाद के कांग्रेस नेता और ईंट भट्ठा कारोबारी के इकलौते बेटे का अपहरण कर हत्या कर दी गई। हत्यारोपियों ने महज 40 हजार रुपये के लिए इस वारदात को अंजाम दिया और शव मेरठ के दौराला क्षेत्र में गड्ढा खोदकर दबा दिया था। पुलिस ने एक आरोपी की निशानदेही पर शव बरामद कर लिया।

गाजियाबाद के नंदग्राम थाना क्षेत्र स्थित ग्राम सिकरोड निवासी कांग्रेस नेता देवेंद्र शर्मा ईंट-भट्ठा कारोबारी हैं। उनकी दो बेटियां भी हैं। देवेंद्र शर्मा ने बताया कि 24 वर्षीय बेटा योगेंद्र उर्फ गोलू सिकरोड रोड पर डीके ट्रेडर्स नाम से ऑफिस चलाता था। एक मई को वह ऑफिस बंद कर निकला, लेकिन घर नहीं पहुंचा। काफी तलाशने के बाद जब उसका पता नहीं चला तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तफ्तीश शुरू कर दी। इस दौरान विकास नामक युवक की भूमिका संदिग्ध पाई गई, जिसे योगेंद्र ने अपना गैराज किराये पर दे रखा था।

पुलिस ने विकास को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने योगेंद्र उर्फ गोलू की हत्या का राज उगल दिया। उसने बताया कि हत्या के बाद वह गाड़ी से शव

लेकर मेरठ पहुंचा। दौराला थाना क्षेत्र में सिवाया गांव के पास जंगल में गड्ढा खोदकर शव दबा दिया।

हत्या की सूचना से परिवार में मच गया कोहराम: योगेंद्र के ताऊ के बेटे अतुल ने बताया कि जैसे ही योगेंद्र की हत्या की सूचना घर पहुंची तो चारों तरफ कोहराम मच गया। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। शव लेकर घर पहुंचे तो परिजन समेत आसपास के लोगों की आंखें भी नम हो गईं। देखते ही देखते गांव में लोगों की भीड़ जमा हो गई। डीसीपी नगर कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने बताया कि पुलिस ने मामले में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। आरोपी से एक तमंचा दो कारतूस और घटना में प्रयुक्त कार, बेहोशी की दवा बरामद हुई है। एक अभियुक्त की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार, मेरठ के गांव अजराड़ा निवासी विकास, मूल रूप से मेरठ के सरधना निवासी मनीष और रोहित को हनुमान चौक से अग्रवाल हाईट जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया गया है। विकास ने बताया कि घटना में प्रयुक्त गाड़ी मोरटी गांव के पीछे बाइपास रोड की सर्विस रोड पर झाड़ियों में खड़ी की है। कार बरामदगी के दौरान विकास ड्राइविंग सीट के नीचे से तमंचा निकालकर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में विकास के दाहिने पैर में गोली लगी है।

योगेंद्र ने विकास को गैराज 80 हजार रुपये महीने किराये पर दिया था। किराया तय होने पर 40 हजार विकास ने दे दिए, 40 हजार शेष थे। योगेंद्र 40 हजार के लिए विकास से तकादा करने लगा। इस पर विकास ने हत्या की योजना बना डाली। मामले में सरधना के सुरानी निवासी दो युवकों और मुंडाली निवासी एक अन्य युवक की भूमिका सामने आई है। एक आरोपी की तलाश जारी है।

देवेंद्र शर्मा कांग्रेस नेता हैं और पूर्व में महानगर महासचिव भी रह चुके हैं। ऐसे में उनके बेटे की हत्या की सूचना चारो तरफ तेजी से फैल गई। उनके गांव सिकरोड गाजियाबाद लोकसभा सीट पर कांग्रेस डॉली शर्मा, पूर्व महानगर अध्यक्ष नरेंद्र भारद्वाज, महानगर अध्यक्ष प्रदेश कमेटी के पूर्व महासचिव डॉ. संजीव शर्मा समेत अन्य कांग्रेस नेता पहुंच गए। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाया।

मैं कांप रहा था... दिल्ली मेट्रो नाबालिग लड़के के साथ यौन उत्पीड़न, खुद बताई खौफनाक वारदात

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली मेट्रो में नाबालिग लड़के के साथ यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। लड़के ने खुद अपने साथ हुई इस खौफनाक घटना की सच्चाई बताई है। घटना शुक्रवार को दिल्ली के सबसे व्यस्त मेट्रो स्टेशनों में से एक राजीव चौक की बताई जा रही है। लड़के ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर अपने साथ हुई घटना के बारे में बताया कि कैसे एक शख्स ने उसे बार-बार गलत तरीके से छूने की कोशिश की और जब वो मेट्रो से उतर गया तो काफी दूर तक उसका पीछा भी किया।

लड़के ने कहा कि वह रात 8:30-9:30 बजे के बीच राजीव चौक स्टेशन से समयपुर बादली की ओर जाने वाली ट्रेन में चढ़ा। तभी उसे महसूस हुआ कि कोई उसे गलत तरीके से छू रहा है। पहले उसे लगा कि उसे कोई गलतफहमी हुई होगी लेकिन फिर दोबारा वैसा हुआ तो उसे यकीन हो गया कि कोई जानबूझकर ऐसा कर रहा है। उसने कहा कि पहले मुझे लगा कि यह किसी का बैग होगा या किसी ने गलती से छू लिया होगा। लेकिन मैं गलत था। मैं डर गया।

उन्होंने निम्नलिखित पोस्ट में कहा, ट्रेन में प्रवेश करते ही मुझे अपने निचले हिस्से पर कुछ महसूस हुआ, लेकिन मैंने यह सोचकर इसे हटा दिया कि यह किसी का बैग है या किसी ने मुझे गलत तरीके से छुआ है, लेकिन मैं गलत था... मैं डर गया था। पीड़ित लड़के ने बताया कि आरोपी बार-बार उसे परेशान कर रहा था और गलत तरीके से छू रहा था। वो डर के मारे कांपने लगा। लेकिन फिर भी उसने हिम्मत जुटाई और पीछे मुड़कर आरोपी के बाल पकड़कर उसकी तस्वीर लेली। उसे लगा कि अब आरोपी कुछ नहीं करेगा। लेकिन वो गलत था। वो जैसे गही मेट्रो से उतरा, आरोपी उसका पीछा करने लगा। उसने अपनी पोस्ट में कहा, जैसे ही मैं अपने स्टेशन (कश्मीरी गेट) पर पहुंचा, मैं बाहर निकला और उसे चकमा देने की कोशिश करते हुए विपरीत दिशा में जाने की कोशिश की और कुछ हद कामयाब भी रहा। लेकिन आखिरकार मुझे येलो लाइन पर जाना पड़ा और उसने मुझे रास्ते में ही पकड़ लिया।

भाजपा के खिलाफ कांग्रेस ने दिल्ली पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने भारतीय जनता पार्टी और उनसे जुड़े अन्य प्रतिनिधियों के खिलाफ तुगलक रोड थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान जनता को गुमराह करने, भड़काने और लोगों के बीच आपसी दुश्मनी पैदा करने के लिए फर्जी और मनगढ़ंत खबरें फैलाई जा रही है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्हें शिकायत मिली है जिसकी जांच की जाएगी।

देवेन्द्र यादव ने आरोप लगाया है कि शिकायत दर्ज कराने गए कांग्रेस नेताओं और वकीलों को लगभग 2 घंटे तक बैठाए रखा गया और शिकायत दर्ज कराने में आनाकानी की गई। उन्होंने जब विरोध में प्रदर्शन करने की बात कही तब जाकर उनकी शिकायत दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि जब दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष को शिकायत दर्ज कराने में इतनी परेशानी हुई तो आम जनता के साथ पुलिस कैसा व्यवहार करती होगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने अपनी शिकायत में कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर फर्जी वीडियो बार-बार मतदाताओं को गुमराह करने के इरादे से डाले जा रहे हैं। ये सभी दुर्भावनापूर्ण वीडियो सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध हैं और भाजपा के प्रतिनिधियों द्वारा अपलोड और साझा किए जा रहे हैं। देवेन्द्र यादव की ओर से साझा की गई जानकारी में कहा गया है कि भाजपा द्वारा सोशल मीडिया पर फैलाई जा गए भ्रामक और झूठे प्रचार की गंभीरता को देखते हुए ही उन्होने पुलिस में शिकायत दी है। उन्होंने पुलिस से मांग की है कि दुर्भावनापूर्ण सोशल मीडिया पोस्ट को तुरंत हटाएं। सनद रहे हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के फेक वीडियो फैलाने के आरोप में कई नेताओं को नोटिस जारी किए गए हैं। अभी पुलिस इस मामले की जांच कर ही रही थी कि उसके सामने दूसरी शिकायत विपक्षी कांग्रेस की ओर से पहुंची है।

इस बार लंबे जाएंगे एल्विश यादव? मनी लॉन्ड्रिंग में ईडी के रडार पर यूट्यूबर

जल्द सवाल-जवाब करेगी

नई दिल्ली , एजेंसी। कोबरा कांड के बाद अब मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों में घिरे मशहूर यूट्यूबर एल्विश यादव की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जल्द ही एल्विश से पूछताछ कर सकता है। ईडी ने इस मामले में कई ऐसे साक्ष्य जुटाए हैं, जिन पर एल्विश से सवाल-जवाब किया जाएगा। पुलिस के मुताबिक, इसके लिए नोटिस भेजने की तैयारी चल रही है।

रेव पार्टियों के लिए सांपों के जहर की खरीद-फरोख्त में फंसे बिग बॉस ओटीटी-टू के विजेता एल्विश यादव के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत केस दर्ज किया गया है। ईडी के लखनऊ जोन कार्यालय ने इस केस की विवेचना शुरू करते हुए एल्विश के बैंक खातों से हुए लेन-देन का भी ब्योरा जुटाया है। साथ ही एल्विश के पास मौजूद लग्जरी गाड़ियों की

खरीद-फरोख्त के बारे में भी जानकारी जुटाई गई है। अब इसके बारे में उनसे पूछताछ की जाएगी। भाजपा सांसद मेनका गांधी की संस्था पीपुल्स फॉर एनिमल्स (पीएफए) के पदाधिकारी गौरव गुप्ता ने पिछले साल नवंबर में एल्विश समेत छह लोगों के खिलाफ नोएडा के सेक्टर 49 थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने इस मामले में चार सपेरों समेत पांच लोगों को संस्था की मदद से गिरफ्तार किया था। इस मामले में एल्विश को भी गिरफ्तार किया गया था, जो बाद में जमानत पर रिहा हो गए थे। सूत्रों के अनुसार, ईडी को इस मामले में कुछ अहम जानकारी मिली है। पुलिस ने रेव पार्टी और सांपों के जहर मामले में चार सपेरों समेत पांच लोगों को संस्था की मदद से गिरफ्तार किया था। इस मामले में एल्विश को इसी साल 17 मार्च को गिरफ्तार किया गया था, जो बाद में जमानत पर रिहा हो गए थे। सूत्रों के अनुसार, ईडी को इस मामले में कुछ अहम जानकारियां मिली हैं। उसकी शुरुआती जांच में पता चला है कि सांपों का जहर एनसीआर के कुछ नामचीन होटलों, क्लबों, रिजॉर्ट्स और फार्म हाउस में होने वाली रेव पार्टियों में मुहैया कराया जाता था। पुलिस को सांप का जहर (वेनम) भी मिला था। इसे जांच के लिए लैब भेजा गया। जांच के बाद करीब पांच महीने बाद नोएडा पुलिस ने एल्विश को गिरफ्तार किया था।

यूएन में राजदूत रुचिरा ने कहा- भारत का पंचायती राज महिला नेतृत्व को आगे बढ़ाने की अनूठी प्रणाली, देश को इस पर गर्व

संयुक्त राष्ट्र , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी राजदूत रुचिरा कंबोज ने भारत के पंचायती राज को प्रत्यक्ष लोकतंत्र का ''उत्कृष्ट उदाहरण बताया और कहा कि पारंपरिक बाधाओं को लांघने वाली महिला नेताओं ने अपने समुदायों में क्रांति ला दी है। कंबोज ने शुक्रवार को यहां कहा कि भारत को ग्रामीण प्रशासन की एक अनूठी प्रणाली पर गर्व है, जिसे पंचायती राज के नाम से जाना जाता है। यह जमीनी स्तर पर विकेंद्रीकृत शक्ति का प्रतीक है।

उन्होंने कहा, दुनिया में अन्य जगहों पर पाई जाने वाली नगरपालिका शासन प्रणाली के विपरीत, पंचायती राज प्रत्यक्ष लोकतंत्र का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो ग्राम सभा या समुदाय के सभी वयस्क सदस्यों की सभा के माध्यम से पंचायत के सभी निवासियों की सक्रिय भागीदारी की सुविधा प्रदान करता है। कंबोज एक कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। यह कार्यक्रम संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन, पंचायती राज मंत्रालय और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) ने आयोजित किया था। इस कार्यक्रम में राजस्थान से पंचायत महिला नेता नीरू यादव, आंध्र प्रदेश से कुनुकु हेमा कुमारी और त्रिपुरा से सुप्रिया दास

दत्ता ने महिला सशक्तीकरण, शिक्षा और जलवायु परिवर्तन की दिशा में अपने प्रयासों पर प्रकाश डाला और अपने अनुभव साझा किए। कंबोज ने कहा कि ऐसा नहीं है कि महिला पंचायत नेताओं की प्रेरक कहानियों में चुनौतियां नहीं थीं। उन्होंने कहा, ''इन महिलाओं ने लगातार पितृसत्ता के स्थापित मानदंडों और रूढ़ियों का सामना किया और उन्हें समाप्त किया। लगातार प्रणालीगत पहलों और अटूट दृढ़ संकल्प से वे यथास्थिति को चुनौती दे रही हैं और लैंगिक समानता को आगे बढ़ा रही हैं।

रूस ने जेलेंस्की को वांटेड लिस्ट में डाला, कई देशों के नेताओं के भी नाम; पुतिन के मन में क्या पक रहा

मॉस्को, एजेंसी। रूस ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के खिलाफ एक आपराधिक मामला शुरू किया है और उन्हें वांछित सूची में डाल दिया है। इस संबंध में और अधिक विवरण नहीं दिया गया है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी टीएएसएस ने शनिवार को गृह मंत्रालय के डेटाबेस के हवाले से यह जानकारी दी है।

फरवरी 2022 में यूक्रेन के साथ संघर्ष शुरू होने के बाद से रूस ने कई यूक्रेनी और अन्य यूरोपीय राजनेताओं के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। रूस की पुलिस ने फरवरी में एस्टोनियाई प्रधानमंत्री काजा कैलास, लिथुआनिया के संस्कृति मंत्री को वांछित सूची में डाल दिया था। इस बीच, रूस ने यूक्रेन के खार्कीव और निप्रो क्षेत्र में ड्रोन से हमला बोला। हमले में छह लोग घायल हो गए। इनमें महिला और एक बच्चा भी शामिल है। इस दौरान यूक्रेन की महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे, वाणिज्यिक और आवासीय भवनों को निशाना बनाया गया। यूक्रेनी वायु सेना ने दावा किया कि सभी 13 ड्रोन मार गिराए गए। उसके गिरे मलबे से नुकसान पहुंचा है। रूस ने कहा कि यूक्रेन की ओर से दागी गई अमेरिका निर्मित लंबी दूरी की चार मिसाइलों को उसने क्रीमिया के ऊपर मार गिराया। इसे आर्मी टेक्टिकल मिसाइल सिस्टम (एटीएसीएमएस) कहा जाता है, जो हाल ही में अमेरिका की ओर से यूक्रेन को दिया गया है। रूस ने कहा कि पिछले हफ्ते रूसी एयरक्राफ्ट और एयर डिफेंस सिस्टम ने 15 एटीएसीएमएस मार गिराए थे। वहीं एपी के अनुसार, ड्रोन फुटेज से पता चलता है कि यूक्रेन का ओचेरेटिन गांव लड़ाई से तबाह हो गया है। रूसी सैनिक क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं और कीव की सेना पर हमला कर रहे हैं। यूक्रेन की सेना ने स्वीकार किया है कि रूसियों ने ओचेरेटिन में पकड़ जमा ली है, लेकिन लड़ाई जारी है।

कनाडा की राजनीति को प्रभावित कर रहा भारत, विदेश मंत्रालय ने आरोप को आधारहीन बता खारिज की रिपोर्ट

ओटावा , एजेंसी। भारतीय अधिकारियों और भारत समर्थक लोगों के खास समूह ने कनाडा के कुछ समुदायों और राजनीतिक वर्ग को प्रभावित कर उनमें नई दिल्ली के प्रति रुचि पैदा करने के लिए प्रयास किए। भारत द्वारा ऐसा खालिस्तानी अलगाववादियों को कनाडा में अलग-थलग करने के प्रयासों के तहत किया गया। यह निष्कर्ष है कनाडा की सरकारी जांच की एक रिपोर्ट का। यह रिपोर्ट हाल ही सार्वजनिक हुई है।

भारत ने इस रिपोर्ट पर कड़ी आपत्ति जताते हुए उसे आधारहीन बताकर खारिज कर दिया है। कमिश्नर मैरी-जोसी हग के नेतृत्व में हुई जांच की अंतरिम रिपोर्ट के अनुसार ऐसे साक्ष्य मिले हैं जिनसे पता चलता है कि 2019 और 2021 में हुए संघीय चुनावों को प्रभावित करने की भारत ने कोशिश की, लेकिन चुनाव परिणाम बताते हैं कि मतदाताओं पर उन कोशिशों का विशेष असर नहीं हुआ। भारत ने चुनाव में हस्तक्षेप के कनाडा के आरोप का खंडन किया है।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा है कि कनाडा इस तरह के आधारहीन आरोप लगाकर भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप वाली अपनी हरकतों पर पर्दा डालना चाहता है। किसी अन्य देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में किसी तरह का हस्तक्षेप न करने की भारत की नीति सुस्पष्ट है। शुक्रवार को सार्वजनिक हुई जांच रिपोर्ट में भारत के बारे में कहा गया है कि भारतीय अधिकारी, खासतौर पर प्रवासी भारतीय ऐसी गतिविधियों में लगातार संलग्न रहते हैं जिनसे कनाडा के

मूल निवासी और राजनीतिक लोग उनसे प्रभावित हों। ऐसा करके भारतीय लोग कनाडा में भारत का प्रभाव बढ़ाना चाहते हैं और यहां की गतिविधियों को भारत के अनुकूल बनाना चाहते हैं।

कनाडा में रहने वाले खालिस्तानियों को निष्प्रभावी करना चाहता है भारत

भारत सरकार ऐसा करके पृथक खालिस्तान की मांग का समर्थन कर रहे कनाडा में रहने वाले लोगों को निष्प्रभावी करना चाहती है। भारत खालिस्तान की मांग को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा मानता है और उससे निपटने के लिए प्रयास करता रहता है। भारत कनाडा में रहने वाले खालिस्तान समर्थकों और हिंसक तत्वों के उनके छोटे से समूह से कानूनी तरीके से नहीं निपटना चाहता है।

कनाडाई रिपोर्ट में कनाडा में हस्तक्षेप करने के मामले में चीन को मुख्य साजिशकर्ता बताया गया है। कहा गया है कि जांच में पाया गया है कि कनाडा में चीन सबसे ज्यादा सक्रिय विदेशी ताकत है। उसके लोग सरकारी अधिकारियों, राजनीतिक दलों, राजनीतिक कार्यालयों, चुनाव के उम्मीदवारों और समुदायों को प्रभावित करने की कोशिश में लगे रहते हैं।

आतंकियों को पालने वाला पाकिस्तान अब खुद बेहाल, 4 माह में खैबर पख्तूनख्वा में हुए 179 आतंकवादी हमले

पेशावर, एजेंसी। आतंकियों को पालने वाला पाकिस्तान अब खुद आतंकी हमलों से बेहाल है। पाकिस्तान के काउंटर-टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) ने अपनी रिपोर्ट में बताया इस साल 30 अप्रैल तक पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में कुल 179 आतंकवादी घटनाएं दर्ज की गईं। एआरवाय न्यूज के अनुसार सीटीडी की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में 91 आतंकी भी मारे गए। जनवरी में 60 आतंकवादी घटनाएं हुईं, इसके बाद फरवरी में 38, मार्च में 33 और अप्रैल में 48 घटनाएं हुईं। विशेष रूप से, फरवरी में केपी में सबसे ज्यादा 31 आतंकवादी मारे गए। डेरा इस्माइल खान में 19 और उत्तरी वजीरिस्तान में 14 आतंकवादियों को मार गिराया गया। इसके अतिरिक्त, यह इस बात पर प्रकाश डालता है कि मारे गए आतंकवादियों में से 16 सर्वाधिक वांछित सूची में थे, जिनमें मोहसिन कादिर, अजमतुल्ला और फरीदुल्ला जैसे व्यक्ति शामिल थे।एआरवाय न्यूज के अनुसार, सीटीडी रिपोर्ट में 2 आत्मघाती जैकेट, 36 हथगोले और 247 किलोग्राम विस्फोटक की बरामदगी का खुलासा हुआ है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।